RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)

कोड 0910011910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

वर्ष : 27 अंक : 88 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बृहस्पतिवार, 20 मार्च, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

किसानों का 'तम्बू' उखाड़ा

पंजाब सरकार का एक्शन, खनौरी और शंभू बॉर्डर से किसानों को हटाया

चंडीगढ (एजेंसी)। पंजाब और हरियाणा के बॉर्डर पर पिछले 13 महीनों से जारी किसानों के आंदोलन पर पंजाब सरकार ने अचानक बड़ा एक्शन लिया है। पंजाब सरकार ने किसानों से दिल्ली में प्रदर्शन करने की बात कही है।

पंजाब सरकार ने राज्य की हरियाणा से लगने वाली सीमओं पर गत 13 महीने से चल रहे किसान आंदोलन के खिलाफ अचानक अपना रुख बदलते हुए सख्ती दिखाई है। पंजाब पुलिस ने मान सरकार के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए न केवल जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंढेर समेत अन्य शीर्ष किसान नेताओं को हिरासत में ले लिया, बल्कि शंभू और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे धरना प्रदर्शन को भी उखाड़ दिया।

पंजाब सरकार पहले ही आंदोलनकारी किसानों पर सख्ती करने का संकेत दे चुकी थी। पंजाब पुलिस ने बुधवार को केंद्र सरकार के प्रतिनिधिमंडल के साथ चंडीगढ़ में हुई बैठक से बाहर आने के कुछ ही मिनटों बाद जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंढेर सहित किसान आंदोलन के शीर्ष नेतृत्व को हिरासत में ले लिया। इसके तुरंत बाद शंभू और खनौरी सीमाओं पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया. देर रात कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शंभू और खनौरी बॉर्डर पर धरना दे रहे किसानों को हिरासत में ले लिया।

प्रदर्शनकारी किसानों को बस में भरकर दोनों सीमाओं से कहीं और ले जाया गया। पुलिस ने स्थायी और अस्थायी ढांचों को बुलडोजर लगाकर हटाया और शंभू व खनौरी बॉर्डर को पूरी तरह खाली करा दिया। इसके बाद आंदोलनकारी किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोकने के लिए सड़कों पर बनाए गई कंक्रीट बैरिकेडिंग को तोड़ने की कार्रवाई शुरू हुई। पंजाब और हरियाणा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि शंभू और खनौरी बॉर्डर पर सड़कों को जल्द ही पूरी तरह खोल दिया जाएगा। किसान एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत अपनी अन्य मांगों को लेकर 13 फरवरी, 2024 से शंभू और खनौरी सीमाओं पर धरने पर बैठे थे और तभी से अमृतसर-दिल्ली हाईवे पूरी तरह बंद था।

किसान नेताओं ने शुरू की भूख हड़ताल

चंडीगढ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस द्वारा लिए गए एक्शन के बाद किसान और ज्यादा भड़क गए हैं। एसकेएम (गैर-राजनीतिक) के प्रवक्ता गुरदीप सिंह के मुताबिक, जगजीत डल्लेवाल सहित हिरासत में लिए गए किसान नेताओं ने पुलिस हिरासत में रहते हुए भूख हड़ताल शुरू कर दी है। पहले से चल रहे आंदोलन के जवाब में, संगरूर में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं और पटियाला और आस-पास के इलाकों में बुधवार शाम से अगले आदेश तक इंटरनेट सेवाएं बंद हैं। जगजीत डल्लेवाल को पहले जालंधर कैंट के PWD रेस्ट हाउस ले जाया गया और बाद में PIMS जालंधर लाया गया, जहां उन्होंने भर्ती होने से इनकार कर दिया और कड़ी सुरक्षा के बीच पुलिस वाहन में ही रहे। किसान लामबंदी को रोकने के लिए अधिकारी जानबूझकर उनके स्थान को गुप्त रख रहे हैं।

नोएडावासियों को बड़ी सौगात

चिल्ला एलिवेटेड रोड का भूमि पूजन, निर्माण शुरू

- नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने किया भूमि पूजन
- 892 करोड़ से ज्यादा की लागत से बनेगा एलिवेटेड रोड

नोएडा (चेतना मंच)। बहुप्रतीक्षित चिल्ला एलिवेटिड रोड का काम आज पूजा अर्चना के बाद विधिवत शुरू हो गया है। इस मौके पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम, एसीईओ संजय खत्री, डीजीएम (सिविल) विजय रावल, ओएसडी महेन्द्र प्रसाद, वर्क सर्किल-2 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक कपिल सिंह तथा उप्र ब्रिज कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने पूजा-अर्चना कर शुभारंभ कर दिया है।

वर्तमान में जनरल ऑफ अरेंजमेंट ड्राइंग के आधार पर सेतु निगम ने एजेंसी से परियोजना का काम शुरू करवाया है। पहले पिलर के लिए बुनियाद बनाने का काम होगा। इसके बाद ऊपर का काम आईआईटी से डिजाइन अप्रूवल के बाद किया जाएगा। प्राधिकरण ने बताया कि डिजाइन में यदि कोई बदलाव आता है तो सेतु निगम उसी आधार पर निर्माण करेगा। वहीं स्वायल टेस्टिंग रिपोर्ट आने के बाद काम तेजी से किया जाएगा। योजना के तहत छह लेन की इस एलिवेटड को 296 पिलर पर बनाया जाना है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

ट्रक से कुचलकर स्कूटी सवार की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के थाना सेक्टर-63 क्षेत्र स्थित बहलोलपुर अंडरपास के नजदीक भीषण सड़क हादसा हुआ है। हादसे में ट्रक से कुचलकर स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई है। ट्रक चालक ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थाना सेक्टर-63 क्षेत्र स्थित बहलोलपुर अंडरपास के नजदीक एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार को कुचल दिया। ट्रक के पिछले पहिए के नीचे स्कूटी सवारी (शेष पृष्ठ-3 पर)

कांग्रेस के जिला व नोएडा अध्यक्ष की घोषणा 25 मार्च से पूर्व!

नोएडा (चेतना मंच)। तीन दिनों के अंदर कांग्रेस पार्टी के गौतमबुद्धनगर जिले में जिलाध्यक्ष तथा नोएडा महानगर अध्यक्ष की घोषणा हो जाएगी।

कांग्रेस पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि दरअसल कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष तथा सांसद राहुल गांधी नई दिल्ली में 8-9 अप्रैल को राष्ट्रीय अधिवेशन करेंगे। जिसमें उत्तर प्रदेश समेत सभी प्रांतों के जिला एवं महानगर अध्यक्षों को आमंत्रित किया गया है। चूंकि उत्तर प्रदेश में प्रदेश कार्यकारिणी समेत समूचे जनपदों में जिला एवं महानगर अध्यक्षों, कमेटियों तथा प्रकोष्ठों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया था। ऐसे में सबसे बड़े राज्य उप्र की इस अधिवेशन में भागीदारी तय करने के लिए जिला एवं महानगर अध्यक्षों की शीघ्र चयन करने का निर्णय लिया गया है। पार्टी सूत्रों की माने तो हर हाल में 25 मार्च से पहले अध्यक्षों की घोषणा कर दी जाएगी।

बढ़ेगी जिलाध्यक्षों की ताकत

सूत्रों की माने तो राहुल गांधी अब जिला अध्यक्षों के जरिए कांग्रेस को मजबूत करने की तैयारी कर रहे हैं। पार्टी के महासचिवों की बैठक में यह तय किया गया है कि जिलाध्यक्ष को अब इतनी शक्तियां दी जाएंगी कि वह चुनावों में टिकट वितरण के समय केन्द्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में प्रमुख भूमिका निभा सकें तथा जिला अध्यक्ष की सिफारिश पर भी उस जिले का टिकट वितरण किया जाएगा।

कौन-कौन है उम्मीदवार

जनपद में जिलाध्यक्ष पद के लिए जिन लोगों ने आवेदन करके दावेदारी पेश की है उसमें दीपक भाटी चोटीवाला, दिनेश अवाना, दिनेश शर्मा, रामभरोसे शर्मा, हेमचंद नागर तथा जयचंद चौधरी के नाम शामिल हैं। वहीं नोएडा महानगर अध्यक्ष पद के लिए मुकेश यादव तथा शाहबुददीन ने विधिवत लखनऊ में आवेदन जमा करके दावेदारी पेश की थी। उक्त दावेदारों में से किसी एक को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिल सकती है।

प्राधिकरण व सरकारी जमीन पर एनओसी के बिना नहीं खुलेंगे ठेके

पीओएस मशीन वापस करने के निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। प्राधिकरणों, ग्राम पंचायतों व एलएमसी के किसी विवादित जमीन पर अनापत्ति प्रमाण-पत्र के बिना शराब की दुकानें नहीं खोली जा सकती हैं। यदि ऐसा कहीं पाया गया तो अनुज्ञापी को नोटिस देकर अनापत्ति प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज मांगे जाएंगे। विभाग के संतुष्ट न होने पर दुकानें वहां से तुरंत हटाना पड़ेगा।

जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार ने बताया कि यदि विभाग को किसी विवादित जमीन पर शराब का ठेका चलाने की शिकायत मिली तो (शेष पृष्ठ-3 पर)

नोएडा (चेतना मंच)। जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार ने वर्ष 2024-25 के देशी शराब, विदेशी मदिरा एवं बीयर की फुटकर बिक्री की दुकानों एवं मॉडलशॉप्स के अनुज्ञापियों को आंवटित पीओएस मशीनों को 31 मार्च को दुकानों की समयावधि की समाप्ति पर सुरक्षित रूप से क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षकों अथवा सेवा प्रदाता कम्पनी (ओएसिस) द्वारा अधिकृत किये प्रतिनिधि के माध्यम से कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी को वापस किए जाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने वर्ष 2025-26 हेतु जनपद गौतमबुद्धनगर के देशी शराब, कम्पोजिट दुकान एवं मॉडलशॉप्स के नवचयनित अनुज्ञापियों यह भी बताया कि कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी गौतमबुद्धनगर से पीओएस मशीनें अपने पक्ष में आवंटित कराकर सेवा प्रदाता कम्पनी (ओएसिस) द्वारा अधिकृत किये गये प्रतिनिधि के सहयोग से इनका आईईएससीएमएस पोर्टल से इंटीग्रेशन कराते हुए 1 अप्रैल से मदिरा की प्राप्ति एवं बिक्री किया जाना सुनिश्चित करें।

मुठभेड़ में घायल हुआ शातिर बदमाश चीनी

नोएडा (चेतना मंच)। मोबाइल, चेन स्नेचिंग और ड्रग तथा अवैध शराब की तस्करी में लिप्त बदमाशों के साथ पुलिस की मुठभेड़ हो गई। बदमाश और नोएडा सेंट्रल के थाना फेज-2 पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। घायल बदमाश को गिरफ्तार कर, पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया है। बदमाश के कब्जे से तमंचा कारतूस, चोरी की बाइक और लूटे हुए मोबाइल फोन बरामद हुए है. पुलिस उसके आपराधिक इतिहास की जानकारी कर रही है।

डीसीपी नोएडा सेंट्रल शक्तिमोहन अवस्थी ने बताया कि मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से घायल हुए बदमाश की पहचान आसिफ उर्फ आसिफ उर्फ चीनी के रूप मे हुई है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

हत्या में इनामी बदमाश पुलिस की गोली से घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा सेंट्रल के थाना ईकोटेक-3 पुलिस और हत्या में वांटेड चल रहे 25 हजार इनामी के बीच हुई मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से बदमाश घायल हो गया, उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घायल बदमाश के कब्जे से तमंचा और कारतूस बरामद किया है।

डीसीपी नोएडा सेंट्रल ने बताया कि थाना ईकोटेक-3 स्थित ककराला पुस्ता रोड पर हुए एनकाउंटर में पुलिस की गोली लगने से राजेश उर्फ मुकेश घायल हो गया। पुलिस को इनपुट मिला था कि ग्राम कुलेसरा में हुई हत्या के मामले में वांटेड चल रहा 25 हजार का इनामी ककराला पुस्ता रोड के पास देखा गया है। इस

पर पुलिस की टीम गठित कर आरोपी की गिरफ्तार करने के लिए मौके पर पहुंच गई। पुलिस को अपनी ओर (शेष पृष्ठ-3 पर)

टांय-टांय फिस्स हुई उद्योग मार्ग को मॉडल रोड बनाने की योजना

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की बहुप्रतीक्षित उद्योग मार्ग को मॉडल रोड बनाने की योजना टांय-टांय फिस्स हो गई। हालांकि प्राधिकरण के अधिकारियों का तर्क है कि रेट को लेकर चयनित कंपनी से सहमति न होने के कारण फिलहाल यह योजना निरस्त कर दी गई है। लेकिन सूत्र बताते हैं कि इस मार्ग पर ऑटो मोबाइल्स के शो-रूम व सर्विस सेंटर मालिकों के प्रभाव के कारण इस योजना को निरस्त किया गया है।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने बताया कि जिस एजेंसी का टेंडर प्रक्रिया के तहत चयन किया गया था। रेट को लेकर प्राधिकरण से सहमति नहीं हो पाई।

प्राधिकरण अधिकारियों ने दावा किया था कि ग्रेप-4 हटने के बाद जनवरी-फरवरी तक इसका काम शुरू करा दिया जाएगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। योजना को ड्राप कर दिया गया। बता दे ये रोड नोएडा प्राधिकरण से महज 100 मीटर की दूरी पर है। यहां पीक

आवर में वाहनों का जाम लगता है। ऐसे में वाहन चालाकों के लिए यहां अन्य विकल्प तलाशे जाएंगे।

नोएडा की ये रोड सेक्टर-1 गोलचक्कर से सेक्टर-11 तक है। इस रोड को मॉडल रोड बनाना था। बतौर रोड के लिए कंसलटेंट कंपनी का चयन किया गया । जिसमें इसका मॉडल तैयार किया। इसी रोड पर सेक्टर-2 लाल मंदिर के पास अंडरग्राउंड केबलिंग की जांच चल रही है। ये जांच तत्कालीन प्राधिकरण अधिकारी यादव सिंह से जुड़ी है। मॉडल रोड बनाने के लिए बतौर प्राधिकरण ने सीबीआई से पत्राचार किया और वहां से अनुमति ली। इसके बाद टेंडर जारी कर कंपनी का चयन किया।

कंपनी इस प्रोजेक्ट को करीब 49 करोड़ में पूरा करती। प्राधिकरण चाहता था कि ये काम 40 से 41 करोड़ में पूरा हो जाए। नेगोसिएशन किया गया लेकिन बात नहीं बनी। ऐसे में प्राधिकरण ने उद्योग मार्ग को मॉडल रोड बनाने की योजना को ड्राप कर दिया। अब इस रोड का सौंदर्यीकरण और जहां भी जरुरत होगी वहां इसी चौड़ाई बढ़ा दी जाएगी।

इस रास्ते पर जगह-जगह औद्योगिक कंपनियां, कारों के शोरूम व अन्य चीजें हैं। ऐसे में यहां हर समय जाम लगा रहता है। सड़क की चौड़ाई कम होने की वजह से अन्य दिक्कतें भी आती हैं। ऐसे में इस सड़क को मॉडल रोड बनाने का निर्णय करीब एक साल पहले नोएडा प्राधिकरण ने लिया था। इसके लिए पिछले साल टेंडर जारी किए गए थे। तीन-चार बार टेंडर जारी करने के बाद भी किसी एजेंसी का चयन नहीं हो सका था। करीब छह महीने पहले एक एजेंसी को चयनित कर लिया गया था।

प्राधिकरण ने शुरू की एनटीबीसीएल से 300 एकड़ जमीन वापस लेने की कार्रवाई

नोएडा (चेतना मंच)। अतिरिक्त जमीन की आड़ में विज्ञापनों के जरिए उगाही करके नोएडा प्राधिकरण को करोड़ों रूपये का चूना लगा चुकी डीएनडी की कंपनी एनटीबीसीएल की अब उल्टी गिनती शुरू हो गई है। नोएडा प्राधिकरण ने एनटीबीसीएल को दी गई अतिरिक्त 300 एकड़ जमीन लेने की कवायद शुरू कर दी है।

दिसंबर महीने में सुप्रीम कोर्ट के आदेश में साफ है कि प्राधिकरण 330 एकड़ जमीन वापस ले। ऐसे में जमीन के साथ विज्ञापन का अधिकार भी प्राधिकरण के पास आ जाता है। तीन महीने कुछ अधिकारियों और विज्ञापन प्रदाता कंपनी के बीच साठ गाठ से कंपनी डीएनडी पर

विज्ञापन करती रही और प्राधिकरण को राजस्व हानि होती रही। प्रकरण से जुड़े अधिकारियों ने जमीन वापसी और विज्ञापन राइटस से संबंधित कोई भी राय प्राधिकरण लीगल विभाग से नहीं ली।

मामला सीईओ के संज्ञान में आते ही उन्होंने जांच के आदेश दिए है। साथ ही विज्ञापन हटाने के निर्देश दिए है। बताया गया कि विज्ञापन प्रदाता कंपनी को प्रति माह करीब 28 लाख रुपए प्राधिकरण में देने होते थे। इसमें साठ गाठ करके (शेष पृष्ठ-3 पर)

आबोहवा में रंग

छुट्टियों में चढ़ता घरेलू पर्यटन का बुखार हिमाचल की आबोहवा में रंग घोलता है, तो इसी के साथ कुछ अवांछित पहलू भी जुड़ जाते हैं। सारे यात्री पर्यटक नहीं हो सकते, इसलिए सही पर्यटन को चिन्हित करना होगा, जबकि हिमाचल में हर आने वाले की पहचान तथा उसके आचरण की निगरानी बेहद जरूरी है। प्रदेश में एक हुजूम ऐसा भी आने लगा है, जो भ्रमित है या हिमाचल में आकर पर्यटन के आंकड़े बिगाड़ रहा है। एक और पर्यटक समूह है, जो अभी आया नहीं या यहां पहुंचा नहीं, उसे बुलाने की जरूरत है। जो भीड़ आती है, उसका पर्यटन से अलग करके मुआयना करना होगा। सही को सहेजना और गलत को वापस भेजना भी पर्यटन की कला है। सही वह है जिसे हाई एंड टूरिस्ट कहते हैं। उसके लिए सुकून चाहिए। उसे संस्कृति, पर्वतीय आबोहवा, परंपराओं में बहती सादगी और पहाड़ी रिवायत में गीत-संगीत व ट्राइबल जीवन से रूबरू होना है। इस तरह असली पर्यटक तो अभी आया नहीं, क्योंकि उसके लिए रास्ते अभी बने नहीं और जो रास्ते बने, उनसे पर्यटन के नाम पर हमने अवांछित भीड़ इकट्ठी कर ली। यही भीड़ ऊना में पुलिस से उलझ जाती है, तो मणिकर्ण गुरुद्वारे के दर्शन को अफरा-तफरी में बदल देती है। आखिर यह कौनसा पर्यटन है, जो झंडा प्रदर्शन की इबारत में चुनौती दे रहा है। क्या हिमाचल इस हुड़दंग की गिनती भी पर्यटन में करता है। हम इन्हें किसी राज्य से जोडकर नहीं देख सकते, लेकिन वर्ष के सारे यात्री साधु नहीं होते या हिमाचल की पर्यटन महफिल को अशांत करने वालों से निपटने की व्यवस्था करनी चाहिए। हम अगर पर्यावरण राज्य हैं, तो एक सीमा से आगे बाहरी राज्यों के पुराने वाहनों खास तौर पर बाइकर्ज को आने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। प्रदेश के प्रमुख पर्यटक स्थलों से दस किलोमीटर पहले ही बाहरी वाहन रोककर आगे का सफर सार्वजनिक परिवहन या रज्जु मार्गों के माध्यम से ही संभव करना होगा। हिमाचल में पर्यटन को अनुशासित, उपयोगी और शालीन बनाए रखने के लिए पुलिस की गश्त चौबीस घंटे करनी पड़ेगी। अब हमें पर्यटन पुलिस के खाके में मेहनत करते हुए देश में सबसे आगे खड़ा होना पड़ेगा। दरअसल हमने पर्यटन को फेरी बना दिया है, जहां चंद गेड़ीबाज लोग माहौल को खराब कर रहे हैं। यह भीड़ पर्यटन है जो प्रदेश के शांत माहौल में आवारगी का आलम पैदा करता है। इसी भीड़ के बीच पर्यटन की सौम्यता का कायल युवा पढ़ा-लिखा व कारपोरेट से जुड़ा सैलानी आहत होता है। गेड़ीबाज पर्यटक किसी न किसी तरह के पुराने-अनफिट वाहन पर सवार होकर आ रहा है। परिवहन के मानकों को नजरअंदाज करके कानून-व्यवस्था पर दबाव डाल रहा है। इसे पर्यटक अधोसंरचना से कोई सरोकार नहीं। यह मुफ्त के लंगर खोज रहा है या एक दिन और रात के सफर में सामाजिक ताने-बाने, धार्मिक परंपराओं और शिष्टाचार के सारे पैमानों को नजरअंदाज कर रहा है। इसकी जिज्ञासा में हो-हल्ले का सफर ही मुकम्मल है और यह प्रकृति के विपरीत खतरे मोल लेता है। कांगड़ा की बनेर खड्ड में अगर पंजाब का युवक डूब कर मरा, तो यह खुदकुशी है। वहां सुरक्षा के सारे इतंजाम तथा चेतावनियों के बावजूद अगर पानी से छेडखानी होगी, तो मौत की मंजिल तय है। इसी तरह पर्वतीय क्षेत्रों में वाहन चालन का विशेष प्रशिक्षण व अनुभव न होने के बावजूद लोग खतरों के खिलाड़ी बनकर घूमते हैं और व्यवस्था को घूरते हैं। पर्यटन अपने आप में अच्छा-बुरा नहीं होता, बशर्ते हम अपनी व्यवस्था के तहत इसे चलाएं-घुमाएं। इसके लिए एक कड़ी चौकस व्यवस्था तथा हर तरह के पर्यटन की संस्कृति विकसित करनी होगी। युवाओं को साहसिक पर्यटन से जोडऩा है, लेकिन दुस्साहस से दूर भी रखना है। खास तौर पर पानी, पहाड़, बर्फ और जंगल के बीच प्रकृति की मर्यादा का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। पर्यटन में मनोरंजन की खोज हो सकती है, लेकिन इसके बीच हुल्लड़बाजी को रोकने के लिए भी तंत्र मुस्तैद होना चाहिए। पिछले कुछ सालों से सडक पर झंडों से लदे गेड़ीबाजों से पर्यटन के माहौल को बचाने की चुनौती बढ़ रही है। ऐसे में प्रवेशद्वारों से आगे कहीं पर्यटन पंजीकरण की पहल करनी होगी ताकि ऑनलाइन ऐप के जरिए एक निगरानी तंत्र विकसित हो सके। सबसे अहम होगा कि हिमाचल में आ रहे गंभीर, सभ्य और क्षमतावान पर्यटक के लिए हम शांति, मुकम्मल व्यवस्था, सहजता, सरलता व उत्तम व्यवहार का हर सूरत इजहार करने की संस्कृति व पद्धति का विस्तार करें।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे नाथ! जिस तरह मेरा हित हो, आप वही शीघ्र कीजिए। मैं आपका दास हूँ। अपनी माया का विशाल बल देख दीनदयालु भगवान मन ही मन हँसकर बोले॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0- जेहि बिधि होइहि परम हित नारद सुनहु तुम्हार।
सोइ हम करब न आन कछु बचन न मृषा हमार॥

हे नारदजी! सुनो, जिस प्रकार आपका परम हित होगा, हम वही करेंगे, दूसरा कुछ नहीं। हमारा वचन असत्य नहीं होता॥

कुपथ माग रुज ब्याकुल रोगी। बैद न देइ सुनहु मुनि जोगी॥
एहि बिधि हित तुम्हार मैं ठयऊ। कहि अस अंतरहित प्रभु भयऊ॥

हे योगी मुनि! सुनिए, रोग से व्याकुल रोगी कुपथ्य माँगे तो वैद्य उसे नहीं देता। इसी प्रकार मैंने भी तुम्हारा हित करने की ठान ली है। ऐसा कहकर भगवान अन्तर्धान हो गए॥

माया बिबस भए मुनि मूढ़ा। समुझी नहिं हरि गिरा निगूढ़ा॥
गवने तुरत तहाँ रिषिराई। जहाँ स्वयंबर भूमि बनाई॥

(भगवान की) माया के वशीभूत हुए मुनि ऐसे मूढ़ हो गए कि वे भगवान की अगूढ़ (स्पष्ट) वाणी को भी न समझ सके। ऋषिराज नारदजी तुरंत वहाँ गए जहाँ स्वयंवर की भूमि बनाई गई थी॥ (क्रमशः...)

प्लेसमेंट और पैकेज की समस्या से जूझते आज के युवा

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर केवल एक देश की समस्या ना होकर अब वैश्विक समस्या होती जा रही है। रोजगार को लेकर अब तो यह भी बेमानी हो गया है कि आपने कहां से अध्ययन किया है। हालात यह होते जा रहे हैं कि दुनिया के श्रेष्ठतक अध्ययन केन्द्रों के पासआउट युवा भी अच्छे पैकेज के रोजगार के लिए दो चार हो रहे हैं। यह कल्पना या कपोल कल्पित नहीं बल्कि वास्तविकता है कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, शिकागो, कोलंबिया, एमआईटी, पेन्सिलवेनिया, एमआईटी जैसे वैश्विक ख्यातनाम संस्थानों से एमबीए करें युवाओं को पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलने की संख्या में तेजी से इजाफा होता जा रहा है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिका के सात शीर्ष संस्थानों से एमबीए का अध्ययन कर निकले विद्यार्थियों के प्लेसमेंट को लेकर अध्ययन कर रिपोर्ट में तो यही खुलासा किया है। चौकाने वाली बात यह है कि 2021 की तुलना में 2024 में यह प्रतिशत करीब करीब चार गुणा बढ़ गया है। 2021 में केवल 4 प्रतिशत पासआउट छात्र ही ऐसे थे जिन्हें पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलता था वह संख्या 2024 तक बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई है। अमेरिका के शीर्ष सात संस्थनों में कहीं कहीं तो छह गुणा तक की बढ़ोतरी देखी गई है। यह इसलिए भी चिंताजनक है कि जिन संस्थानों के अध्ययन का स्टेण्डर्ड निर्विवाद समूचे विश्व में श्रेष्ठतम रहा है और जिनकी वैश्विक पहचान है उनकी ही यह हालत है तो आम संस्थानों की क्या होगी? यह अकल्पनीय है। हो सकता है कि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण हो पर हालात जिस तरह के सामने आ रहे हैं उससे यह साफ हो जाता है कि प्लेसमेंट की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

सवाल केवल प्लेसमेंट तक ही सीमित नहीं हैं अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। कुछ चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है। दरअसल कोरोना के बाद से प्लेसमेंट और पैकेज को लेकर हालात बहुत हद तक बदल गए हैं। यदि हम भारत की ही बात करें तो देश के शीर्ष प्रबध संस्थानों से पासआउट युवाओं को 2022 में औसत 29 लाख का पैकेज मिल रहा था तो वह 2024 आते आते 27 लाख पर आ गया है। यह सबतो देश दुनिया के शीर्ष अध्ययन संस्थानों से पासआउट युवाओं को लेकर है। सामान्य व मध्यस्तरीय संस्थानों से पासआउट युवाओं को मिलने वाला पैकेज तो बहुत ही कम होता जा रहा है। दूसरी और घर बार छोड़कर 90 घंटे तक काम करने को लेकर बहस चल रही है। एक और पिकोक कल्चर, हाईब्रीड सिस्टम और वर्क फ्राम होम से कार्यस्थल पर युवाओं को लाने की जद्दोजहद जारी है तो दूसरी और कम होते अवसर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं।

सरकारें लाख प्रयास करें या विपक्षी बेरोजगारी बढ़ने के लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये पर लगता है कि प्लेसमेंट, रोजगार और पैकेज का संकट किसी एक देश का नहीं अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इससे युवाओं में कहीं ना कहीं निराशा भी आती जा रही है।

सरकारें लाख प्रयास करें या विपक्षी बेरोजगारी बढ़ने के लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये पर लगता है कि प्लेसमेंट, रोजगार और पैकेज का संकट किसी एक देश का नहीं अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इससे युवाओं में कहीं ना कहीं निराशा भी आती जा रही है। हांलाकि हार्वर्ड, शिकागो आदि के संदर्भ शिक्षा के स्तर को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता पर तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि हार्वर्ड, शिकागो या इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं में अध्ययन करने वाले कितने युवा होते हैं तो दूसरी और कितने लोगों के लिए इन संस्थाओं के अध्ययन का खर्च उठाने की क्षमता होती है। जब इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं से अध्ययन प्राप्त कर निकले युवाओं के सामने ही प्लेसमेंट या पैकेज का संकट आ रहा है तो अन्य संस्थानों से अध्ययन प्राप्त युवाओं की स्थिति क्या होगी यह अपने आपमें सोचनीय हो जाती है।

जहां तक हमारे देश की बात की जाए तो यह साफ हो जाता है कि हमारे यहां एक तरह से अंधी दौड़ चलती है। एक समय था जब कुकुरमुत्ते की तरह प्रबंधन संस्थान खुले और आज हालात यह है कि निजी क्षेत्र में खुले इस तरह के संस्थानों को क्षमता के अनुसार विद्यार्थी ही नहीं मिल रहे हैं। लगभग यही स्थिति इंजीनियरिंग कालेजों की होती जा रही है। गली गली में फार्मेसी संस्थान खुलते जा रहे हैं। सौ टके का सवाल यह है कि अध्ययन संस्थान खोलने की अनुमति के साथ ही अध्ययन का स्तर भी बनाये रखने के लिए फेकेल्टी को लेकर भी मान्यता देते समय सरकार को गंभीर होना होगा। जब तक स्तरीय अध्ययन उपलब्ध नहीं होगा तब तक हम पास आउट तो करते रहेंगे पर प्लेसमेंट या अच्छे पैकेज की बात करना बेमानी होगा। सरकार को शिकागो, हार्वर्ड कोलंबिया, पेन्सिलवेनिया या इसी तरह की संस्थानों से पासआउट के साथ जो हालात बन रहे हैं उससे समय रहते सबक लेना होगा और अन्य संस्थानों में भी शिक्षण और शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी ताकि पासआउट की लंबी फोज नहीं बन सके। युवाओं में नैराश्य भी नहीं आये और देश को योग्य युवा मिल सके।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नेता जी के नहाने का साबुन (व्यंग्य)

बात उन दिनों की है जब नेता जी चुनावी दौरे पर थे और जनता के बीच जाकर आत्मीयता दिखाने का नाटक कर रहे थे। 'भाइयों और बहनों!'—नेता जी के इस उद्घोष से जनता में एकाएक ऊर्जा आ जाती, ठीक वैसे ही जैसे पुराने ट्रांजिस्टर में नया सेल डालने से आवाज़ तेज़ हो जाती है। वे गाँव की पगडंडियों पर चलते, गरीबों के घरों में बैठते, वहाँ की रोटी तोड़ते और फोटो खिंचवाकर मीडिया में अपनी सादगी की ब्रांडिंग करवाते। पर इस बार किस्सा कुछ अलग था। नेता जी को इस बार किसी गरीब के घर में रुकना पड़ा और सुबह नहाने के लिए साबुन की तलाश करने लगे। अब गाँव के घरों में साबुन कहाँ मिलता? एक बच्चे ने उन्हें कपड़े धोने वाला नीला टुकड़ा लाकर दे दिया। नेता जी उसे देखकर हक्के-बक्के रह गए। 'अरे भई, ये कौन सा विदेशी ब्रांड है?'

नेता जी साबुन लेकर बाथरूम में गए, पर जैसे ही उसे हाथ में लिया, उनकी आत्मा कांप उठी। 'हे भगवान! ये तो ऐसा है जैसे किसी ने रॉकेट लॉन्चर को बारूद से भर दिया हो!' फिर भी चुनावी इमेज की खातिर उन्होंने साबुन को हाथों में घिसा, लेकिन झाग तो छोड़ो, साबुन हाथ से फिसलकर ज़मीन पर जा गिरा। गाँव वालों ने बाहर से पूछा, 'नेता जी! कैसा लग रहा है हमारा देसी साबुन?' नेता जी अंदर से बोले, 'बस यही देख रहा हूँ कि ये साबुन है या गाँधी जी का तीन बंदर—न झाग देता है, न महकता है, न शरीर से चिपकता है!'

अब गाँव के सरपंच से रहा नहीं गया। उन्होंने कहा, 'नेता जी, हमारी जिंदगी का असली रंग यही है! यह साबुन हमारी असली मेहनत की तरह है—कठोर, सख्त और झाग रहित! आप इसे महसूस कर रहे हैं, लेकिन हम इसे हर दिन जीते हैं।'

किस्सा यहीं खत्म नहीं हुआ। जैसे-तैसे साबुन को अपने शरीर पर आज़माने की कोशिश की, तो लगा मानो ज़िंदगी के सारे पाप धुलने की बजाय चिपक गए हों। अब नेता जी की त्वचा में जलन होने लगी, जैसे किसी ने मिर्ची पाउडर मिला दिया हो। 'हे राम! ये साबुन बना है कि लोहा चमकाने वाला केमिकल?' नेता जी बाथरूम से निकलते ही सीधे पानी की टंकी के नीचे बैठ गए और वहाँ से चिल्लाए, 'भइयो, मुझे तो लग रहा है कि तुम लोग इसी साबुन से बैलगाड़ी के पहिए चमकाते हो!' गाँव के लोग हँसने लगे, मगर कोई बोलता क्यों नहीं कि साबुन दरअसल उनकी कड़ी मेहनत का परिणाम है?

अब गाँव के सरपंच से रहा नहीं गया। उन्होंने कहा, 'नेता जी, हमारी ज़िंदगी का असली रंग यही है! यह साबुन हमारी असली मेहनत की तरह है—कठोर, सख्त और झाग रहित! आप इसे महसूस कर रहे हैं, लेकिन हम इसे हर दिन जीते हैं।' नेता जी को पहली बार एहसास हुआ कि इस चुनावी दौरे का असली सबक यह नहीं कि वे कितने सरल दिख सकते हैं, बल्कि यह कि आम जनता की ज़िंदगी कितनी कठिन है। लेकिन, यह सोचकर ही उन्होंने अपने आसपास देखा, कहीं कोई पत्रकार तो नहीं?

साबुन के झटके से उबरते ही उन्होंने तुरंत अपना विदेशी ब्रांड वाला साबुन मँगवाया और कहा, 'भाई, कुछ भी कहो, लेकिन चुनावी प्रचार के चक्कर में जान भी दांव पर नहीं लगानी चाहिए!' तभी गाँव का एक बुज़ुर्ग बोला, 'बेटा, जो साबुन हमारी गरीबी नहीं धो पाया, वो तुम्हारी चालाकी क्या खाक धोएगा?' नेता जी चुप हो गए।

लेकिन यह कहानी यहीं खत्म नहीं होती। नेता जी की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तुरंत घोषणा कर दी कि गाँव वालों के लिए मुफ्त साबुन योजना लाई जाएगी। अगले ही दिन ट्रक भर-भरकर चमचमाते साबुन बाँटे जाने लगे। लेकिन मज़ेदार बात यह थी कि वो सब साबुन वहीं के लोगों ने शहर में जाकर बनवाए थे, उसी नेता जी के चुनावी चंदे से!

तो, भाइयों और बहनों! कहानी की सीख यह है कि नेता जी का नहाने का साबुन बदल सकता है, पर जनता का पसीना आज भी वैसे ही बहता है। और वैसे भी, सियासत का असली साबुन तो वो होता है, जो वादों की मैल को आसानी से धो सके, मगर अफसोस! ऐसा कोई साबुन अब तक बना ही नहीं!

- डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त',
(हिंदी अकादमी, मुंबई से सम्मानित नवयुवा व्यंग्यकार)

राशिफल

चैत्र कृष्ण पक्ष षष्ठी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं, बचकर पार करें। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम, प्रेम, संतान भी मध्यम। लेकिन व्यापार अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
शत्रु नुकसान पहुंचाने की कोशिश करें। रोग आदि भी थोड़े परेशान करेंगे। प्रेम, संतान भी मध्यम है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
अति भावुक न हों। मानसिक स्वास्थ्य व शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान मध्यम है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कलहकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है लेकिन भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि भी होगी। फिर भी घरेलू सुख बाधित रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान बहुत बढ़िया।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
धनागमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। लेकिन जुआ, सट्टा, लॉटरी में पैसे न लगाएं और जुबान पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्यवान बने रहेंगे। सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
मन चिंतित रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। यात्रा का योग बनेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान मध्यम।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान में सुधार।

सांसद के वर्चस्व के आगे शीर्ष नेतृत्व, क्षेत्रीय अध्यक्ष समेत भाजपा दिग्गजों ने टेके घुटने !

रमाकांत पाण्डेय

ग्रेटर नोएडा। हाल ही में हुए भाजपा जिलाध्यक्ष के चयन को लेकर चंद नेता बेशक इसे अपनी शानदार फतह बता रहे हों, लेकिन आम कार्यकर्ता इस प्रकरण को संगठन की शर्मनाक हार के रूप में देख रहे हैं। आलम यह है कि इस मामले में क्षेत्रीय सांसद के वर्चस्व के आगे जिले के दिग्गज भाजपा नेताओं, शीर्ष नेतृत्व व क्षेत्रीय अध्यक्ष ने घुटने टेक दिए हैं।

भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व काफी इंतजार के बाद भाजपा जिला अध्यक्ष की घोषणा तो कर दी गई, लेकिन जमीनी कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगना शुरू हो गया है। हाल ही में जिला अध्यक्ष पद पर पंडित अभिषेक शर्मा की ताजपोशी के बाद विरोध के स्वर फूटने लगे हैं। कथित तौर पर अनुशासित कहे जाने वाली भाजपा में भी असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो गई है। हाईकमान के इस निर्णय से कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी संतुष्ट नहीं हैं। जनपद में गुर्जर समाज में अंदर खाने विरोध भी तेजी से बढ़ रहा है। जिले के अधिकांश पदाधिकारी यह कहते नजर आ रहे हैं कि क्षेत्रीय सांसद अपने पसंदीदा व्यक्ति को

जिला अध्यक्ष बनाकर अपना वर्चस्व स्थापित कर रहे हैं, लेकिन इसमें पार्टी के दिग्गज नेताओं की हार हुई है।

सूत्रों के अनुसार, जिला अध्यक्ष की ताजपोशी के बाद भाजपा के प्रदेश नेतृत्व से लेकर जिले के वरिष्ठ नेताओं तक ने क्षेत्रीय सांसद के आगे घुटने टेक दिए। लाख प्रयास के बाद भी भाजपा का शीर्ष ने तृत्व उनकी मर्जी के खिलाफ कोई निर्णय नहीं ले पाया। वर्षों से पार्टी के लिए कार्य कर रहे समर्पित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को पूरी तरह से हाशिए पर धकेल दिया गया।

कार्यकर्ताओं का मानना है कि जिले में सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने अपनी रणनीति से जीत हासिल कर ली। लेकिन भाजपा के उन बड़े नेताओं की करारी हार हुई है, जो समर्पित कार्यकर्ताओं को जिला अध्यक्ष बनाना चाहते थे।

हालांकि, पूर्व जिला अध्यक्ष गजेंद्र मावी का एक साल का कार्यकाल गौरवशाली एवं ऐतिहासिक रहा। उन्होंने अपने कार्यकाल में जिले की भाजपा में चल रही गुटबाजी काफी हद तक समाप्त कर दी थी। लेकिन जिस तरह से क्षेत्रीय सांसद, दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर, और एमएलसी श्रीचंद शर्मा ने आपसी जुगलबंदी से पुराने कार्यकर्ताओं को पीछे कर अपने खास चेले को जिला अध्यक्ष बनवाया है। वह आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी के लिए अभिशाप साबित हो सकता है।

भगवान से सांसारिक वस्तुएं न मांगें, बल्कि मुक्ति और भक्ति मांगें

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। डेल्टा वन के कम्युनिटी सेंटर में भारतीय धरोहर विचार मंडल द्वारा आयोजित भागवत कथा के तीसरे दिन आचार्य पवन नंदन ने बताया कि योगाभ्यास सदैव योग्य योग शिक्षक की देखरेख में ही करना चाहिए।

कथा के आरंभ में मुख्य यजमान नरेश गुप्ता, दैनिक यजमान राम अवतार अग्रवाल, मनोज गुप्ता (मोनू जेवर), आशीष गुप्ता (कुंजबिहारी ग्रुप), कुलदीप शर्मा एवं रवि शर्मा (लक्ष्मी टिंबर्स), सरदार मनजीत सिंह ने हरिद्वार से पधारे भागवत कथा व्यास पवन नंदन का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

ग्रेटर नोएडा में 17 से 23 मार्च तक प्राचीन भारत की ज्ञान संपदा के संरक्षण, संवर्धन एवं नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा को समर्पित भागवत कथा का आयोजन डेल्टा वन, ग्रेटर नोएडा के कम्युनिटी सेंटर में किया जा रहा है।

कथा में आयोजन समिति के महामंत्री प्रमोद चौहान, कलश यात्रा की मुख्य संयोजिका श्रीमती सरोज तोमर, श्रीमती सविता शर्मा, श्रीमती विनीता शर्मा, श्रीमती ममता सिंह, श्रीमती पूनम अग्रवाल, रश्मि अरोड़ा, संजय सूदन, गौरव उपाध्याय, नवनीत गुप्ता, डी. के. अरोड़ा, अनुज उपाध्याय, कौशल गुप्ता एवं आयोजन समिति के कोषाध्यक्ष कपिल कृष्णा, संयुक्त महामंत्री नवीन जिंदल, शरद त्यागी, समिति के मीडिया प्रभारी मुकुल गोयल, सतीश गुप्ता, नोएडा से पधारे महेश बाबू गुप्ता, विनोद शास्त्री एवं राजेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे।

कॉव कॉव

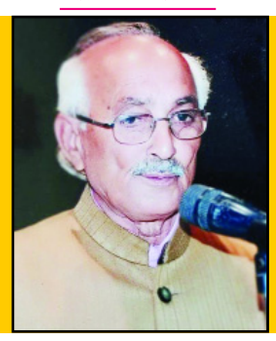

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

बिना किसी भाग दौड़
बिना किसी जिज्ञासा
बिना किसी तलाश
और बिना किसी आशा के
बहुत दूर आ पहुंचा हूँ
जीविका की इच्छा
या किसी तरह का लोभ
नहीं, बस केवल मेरा पागलपन
लगातार कदम-कदम
ऊबड़-खाबड़ राजमार्गों और
कॉटों भरे रास्तो पर
चलते-चलते देखा है
हृदय विदारक दृश्य
सुना है सिसकते स्वर
यातनाओं का चढ़ाव-उतार
एक ओर
तथा दूसरी ओर
सुगंधित सॉसें और
आनन्द की छाँव
हाय रे ठॉव
क्या शहर, क्या गाँव
चौतरफा कॉव - कॉव
यादों के जंगल में
भटक गया हूँ
चमगादड़ की तरह
उल्टा लटक गया हूँ

बेसिक शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्राथमिक विद्यालय मथुरापुर के उद्घाटन के अवसर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मंडल ने, मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी और जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा के नेतृत्व में, शिक्षकों की प्रमुख मांगों को लेकर संदीप सिंह, बेसिक शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश को सौंपा। वर्ष 2005 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाए। ग्रेटर नोएडा एवं यमुना प्राधिकरण में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों को मकान भत्ता ए श्रेणी का दिया जाए। इस अवसर पर अशोक शर्मा, जिला मंत्री गजन भाटी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बलेराम नागर, संयुक्त मंत्री हेमंत खोदना, कोषाध्यक्ष मुनीष चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष जेवर हेमराज शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष बिसरख स्मिता सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष दनकौर सतीश पीलवान, मंत्री रामकुमार शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष दादरी रवि भाटी सहित समस्त जिला कार्यकारिणी एवं ब्लॉक कार्यकारिणी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने सांसद से की मुलाकात

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा का भाजपा के सभी वरिष्ठ नेताओं से उनके निवास पर जाकर मिले। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा से मुलाकात की। राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर से उनके निवास पर जाकर मिले। अब तक वह क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया, दादरी विधायक तेजपाल नागर, जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह, एमएलसी विधायक श्रीचंद शर्मा, एमएलसी विधायक नरेंद्र सिंह भाटी जी, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं और उनके राजनीतिक अनुभवों से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि उन्हें पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं का आशीर्वाद और अनुभव प्राप्त हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जो दायित्व पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें सौंपा है, उसे वह पूरी ईमानदारी से निभाएंगे। सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर पार्टी के विस्तार को जन-जन तक पहुँचाना और वरिष्ठ नेताओं को सम्मान देना उनकी प्रमुख प्राथमिकता रहेगी।

इस अवसर पर मुख्य रूप से आनंद वर्धन चंदेल, वीरेंद्र भाटी, कर्मवीर आर्य, अर्पित तिवारी, अरुण प्रधान आदि कार्यकर्ता साथ रहे।

राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

दिल्ली/नोएडा (चेतना मंच)। केंद्र और प्रदेश सरकारों की मजदूर विरोधी व जनविरोधी नीतियों के खिलाफ, मजदूर विरोधी श्रम संहिताओं (लेबर कोड) को खत्म करवाने, जीने लायक न्यूनतम वेतन और अन्य कई मांगों/समस्याओं को लेकर 18 मार्च 2025 को प्यारेलाल भवन, आईटीओ, नई दिल्ली में केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और स्वतंत्र क्षेत्रीय राष्ट्रीय फेडरेशनों/एसोसिएशनों के संयुक्त मंच के आह्वान पर श्रमिकों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। इस सम्मेलन में आज राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल/चक्का जाम की घोषणा की गई।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीटू के राष्ट्रीय महासचिव कामरेड तपन

सेन ने देश के श्रमिकों और आम जनता के सभी वर्गों के सामने मौजूद बदतर हालात को रेखांकित करते हुए कहा कि एनडीए सरकार द्वारा अपनाई जा रही नीतियां मजदूर विरोधी और जनविरोधी हैं। इन नीतियों के कारण मेहनतकशों के जीवन और जीविका पर बुरा प्रभाव पड़ा है। गरीबी और बेरोजगारी तेसे बढ़ रही है, जिससे भुखमरी के हालात उत्पन्न हो रहे हैं।

आईआईए के बिल्ड भारत एक्सपो का हुआ उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारत मंडपम, नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, जीतन राम मांझी ने बिल्ड भारत एक्सपो के प्रथम संस्करण का उद्घाटन किया।

इस प्रदर्शनी में लगभग 350 से अधिक कंपनियों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। साथ ही, लगभग 34 देशों के एंबेसडर, हाई कमिश्नर और प्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

यह प्रदर्शनी अगले दो दिनों तक आईआईए के उद्यमी सदस्यों को देश और विदेश के ग्राहकों के समक्ष अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगी। इस अवसर पर आसपास के सभी चैप्टरों के पदाधिकारी गण भी शामिल हुए। ग्रेटर नोएडा चैप्टर टीम से चेयरमैन राकेश

बंसल, बाबूराम भाटी, सचिव सरबजीत सिंह, अश्वनी महेंद्रू, जे. एस. राणा, विजय गोयल, अशोक जैन एवं विषारद गौतम (राष्ट्रीय सचिव) ने चैप्टर के प्रतिभागी उद्यमियों के स्टॉलों का भ्रमण किया और उनका उत्साह बढ़ाया।

अभिषेक शर्मा को दी भाजपा नेता ने बधाई

गौतमबुद्धनगर में बह रही विकास की गंगा : पंडित

ग्रेटर नोएडा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता उधम पंडित ने भाजपा के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष पंडित अभिषेक शर्मा को बधाई दी है। उन्होंने बधाई देते हुए कहा कि अभिषेक शर्मा को लंबे समय बाद गौतम बुद्ध नगर में युवा जिला अध्यक्ष बनाया गया है, और उनके नेतृत्व में पार्टी मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी।

उधम पंडित ने कहा कि अभिषेक शर्मा सभी समाज को साथ लेकर चलने और पार्टी नेतृत्व के निर्देशों का पालन करने का कार्य करेंगे। उनमें नई ऊर्जा है, जिससे पार्टी को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की नंबर एक पार्टी है, और आज सभी समाज के लोगों का भाजपा को भरपूर समर्थन प्राप्त हो रहा है। यही कारण है कि राज्य और केंद्र में भाजपा की लगातार सरकार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए उधम पंडित ने कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने का सराहनीय कार्य किया है। इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने गौतम बुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र में विकास की गंगा बहाई है। आज पूरे गौतमबुद्धनगर में विकास धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

पृष्ठ एक के शेष....

चिल्ला एलिवेटेड रोड...

निर्माण कंपनी उप्र ब्रिज कार्पोरेशन लिमिटेड ने 17 दिसंबर 2024 को ठेकेदार कंपनी एमजी कंस्ट्रक्शन को कार्य अवॉर्ड किया। इस एलिवेटड से रोजाना करीब 5 लाख वाहन चालक को फायदा होगा। ठेकेदार के पास निर्माण पूरा करने के लिए तीन साल का समय होगा। दिल्ली और नोएडा के बीच यातायात भीड़ को कम करने के लिए 2012 में योजना की फिजिबिलिटी तैयार की गई थी। एलिवेटड 5.9 किमी लंबी बननी है। योजना के प्रारंभिक फेज में इसकी कुल लागत 605 करोड़ रुपए थी।

2018 में दिल्ली सरकार से मंजूरी मिली। जनवरी 2019 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसकी आधारशिला रखी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से बजट जारी करने में देरी, गेल गैस पाइपलाइन के पुनर्मार्ग और डिजाइन में बदलाव के कारण काम रोक दिया गया। कोविड-19 महामारी ने देरी को और बढ़ा दिया, जिससे परियोजना मार्च 2020 में रुक गई। अब तक केवल 13त्न निर्माण कार्य पूरा हुआ है। नोएडा प्राधिकरण द्वारा 79 करोड़ खर्च किए।

अक्टूबर 2023 में ब्रिज कार्पोशन ने बढ़ती सामग्री लागत और टेंडर कास्ट का हलावा देते हुए संशोधित बजट 940 करोड़ का पेश किया। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। लेकिन नोएडा प्राधिकरण और राज्य सरकार को टेंडर को अंतिम रूप देने से पहले कई बार पुन: अनुमोदन की आवश्यकता थी। जिसके बाद बजट में संशोधन किया गया और अब ये एलिवेटड कुल 892 करोड़ 75 लाख 34 हजार रुपए में बनाई जाएगी। कंपनी 7 प्रतिशत कम पर लिया टेंडर हासिल किया।

ट्रक से कुचलकर...

युवक का सिर आने की वजह से उसकी मौके पर मौत हो गई। मृतक युवक की फिलहाल पहचान नहीं हो पाई है। घटनास्थल से एक्सीडेंट के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

हत्या में इनामी बदमाश...

आता देख आरोपी राजेश उर्फ मुकेश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर अक्षरधाम कॉलोनी, ककराला पुस्ता रोड की, तरफ भागने का प्रयास किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डीसीपी नोएडा सेंट्रल ने बताया कि राजेश उर्फ मुकेश ने बीते 8 दिसंबर को अपने साथ ही ईश्वर चंद्र उर्फ रिंकू के साथ मिलकर कुलेसरा स्थित एस्केलेपिय अस्पताल के पास सुखराम की धारदार हथियारों से वार कर हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने ईश्वर चंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि राजेश और मुकेश फरार चल रहा था उसे पर 25000 का इनाम भी घोषित किया गया था।

मुठभेड़ में घायल हुआ...

डीसीपी नोएडा सेंट्रल ने बताया कि थाना फेस-2 नोएडा पुलिस सेक्टर-92 रेड लाइट चौराहे पर चेकिंग कर रही थी इसी दौरान बिना नम्बर प्लेट की मोटरसाइकिल को देख रूकने का इशारा किया, जिस पर मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति रूकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग कर तेजी से एन.एस.ई.जेड की तरफ भागने लगा। पुलिस की गयी जवाबी कार्रवाई में आसिफ उर्फ आसिफ उर्फ चीनी गोली लगने से घायल हो गया।

आसिफ उर्फ आसिफ उर्फ चीनी शातिर किस्म का अपराधी है, उस पर मोबाइल व रुपये की झपटमारी, मारपीट, जान से मारने की नियत से गोली मारने, मादक पदार्थों, हथियार व गैर राज्य की अवैध शराब की तस्करी जैसे मामले के 21 मामले बुलंदशहर के थाना कोतवाली शहर व सिकंदराबाद और गौतमबुद्ध नगर के अलग-अलग थानों मे दर्ज हैं।

प्राधिकरण व सरकारी...

अनुज्ञापी को नोटिस देकर जमीन से संबंधित दस्तावेज तथा अनापत्ति प्रमाण पत्र तलब किया जाएगा। यदि वह ऐसे दस्तावेज देने में नाकाम रहा तो अनुज्ञापी को उस स्थल से तुरंत ठेका अन्यत्र शिफ्ट करना पड़ेगा।

बता दें कि नोएडा में कुछ स्थानों पर नोएडा प्राधिकरण तथा अवंटी के बीच चल रहे अदालती मामले में विचाराधीन भूखंडों पर शराब की दुकानें खुलने की जानकारी मिली है। सूत्र बताते हैं कि आबकारी विभाग की सांठगांठ से हरौला तथा अन्य स्थानों पर इसी तरह की विवादित संपत्ति पर बीयर का ठेका खोलने की भी जानकारी मिली है। इसको लेकर विभाग ने अब वैधानिक स्थिति स्पष्ट कर दी है।

प्राधिकरण ने शुरू की...

महज प्रति माह 22 से 25 लाख रुपए ही प्राधिकरण के खाते में जमा कराए जाते रहे। वहीं प्राधिकरण के बाह्य विज्ञापन बॉयलॉज के तहत यहां छोटे पोल पर विज्ञापन नहीं किए जा सकते। इसके बाद भी यहां एलईडी विज्ञापन किए जा रहे है।

1997 में नोएडा प्राधिकरण ने डीएनडी बनाने के लिए नोएडा टोल ब्रिज कंपनी को 454 एकड़ जमीन दी थी। इसमें से करीब 124 एकड़ जमीन पर डीएनडी व अन्य चीजें बनी हुई हैं।

ऐसे में अब खाली पड़ी करीब 330 एकड़ जमीन नोएडा प्राधिकरण वापस लेगा। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण ने तैयारी शुरू कर दी है। इस जमीन की अरबों रुपये कीमत है।

खोया पाया

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा फ्लैट नंबर 28D, ब्लॉक E-4, सेक्टर 82, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश, का पजीशन/अलॉटमेंट लेटर (Possession, & Allotment letter) की मूल प्रति कहीं खो गई है, जिसका उपयोग किसी अन्य द्वारा अवैध होगा मिलने पर संपर्क करें।

देवेंद्र सिंह
M-263,जलवायु विहार,
सेक्टर-25, नोएडा

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

बैंक और बिल्डर्स के बीच सांठ-गांठ को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के प्रॉपर्टी मार्केट में बैंक और बिल्डर्स के बीच सांठगांठ को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त हो गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को निर्देश दिया कि वह दो सप्ताह के अंदर एक प्रस्ताव पेश करे कि वह सब्सिडी योजनाओं के तहत रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं के संबंध में बैंकों और रियल एस्टेट डेवलपर्स के बीच कथित सांठगांठ की जांच कैसे करना चाहता है। कोर्ट ने कहा कि इस तरह की मिलीभगत ने दिल्ली-एनसीआर में हजारों घर खरीदारों के लिए परेशानी पैदा कर दी गई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि सीबीआई के पास इन मुद्दों की जांच के लिए जरूरी एक्सपर्ट्स और रिसोर्सेज हैं, जिससे यह साफ हो गया कि सब्सिडी स्कीम में प्रणालीगत कमियों की जांच जरूरी है। दोनों जजों की बेंच ने कहा कि एक बात हम स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि हम मामले को सीबीआई को भेजेंगे॥ हम समस्या की जड़ तक जाना चाहते हैं। यह मामला नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम और एनसीआर के अन्य शहरों में रहने वाले हजारों घर खरीदारों से जुड़ा है, जिन्होंने आरोप लगाया है कि बैंकों ने उचित जांच-पड़ताल किए बिना ही सबवेंशन स्कीम के तहत डेवलपर्स को लोन मंजूर कर दिया है।

लिटिल ग्रेसी तीन वेरिएंट में लॉन्च

नई दिल्ली। अपने पोर्टफोलियो में इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता जेलियो ई मोबिलिटी ने एक नया स्कूटर ह्यलिटिल ग्रेसी जोड़ा है। इस स्कूटर को खासतौर पर 10 से 18 वर्ष की उम्र के युवाओं के लिए डिजाइन किया गया है।
कंपनी ने इसे तीन वेरिएंट में लॉन्च किया है, जिसकी शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत 49,500 रुपये रखी गई है। लिटिल ग्रेसी के एंट्री-लेवल मॉडल में 48वी/32एएच लीड-एसिड बैटरी दी गई है, जो 7-8 घंटे में चार्ज होकर 55-60 किलोमीटर तक की रेंज प्रदान करती है। इसका मिड-टियर वेरिएंट 60वी/32एएच लीड-एसिड बैटरी के साथ आता है, जो 70 किलोमीटर तक की रेंज देता है और इसकी कीमत 52,000 रुपये रखी गई है। वहीं, टॉप-एंड वेरिएंट 60वी/30एएच लिथियम-आयन बैटरी से लैस है, जिसकी कीमत 58,000 रुपये है और यह 70-75 किलोमीटर तक की रेंज देता है। सभी वेरिएंट 48/60वी बीएलडीसी मोटर से संचालित होते हैं, जो अधिकतम 25 किमी प्रति घंटे की गति प्रदान करता है।

ब्रिटेन के हाई स्ट्रीट बैंक स्टैण्डर्ड बंद करेगा अपनी 95 शाखाएं

लंदन। ब्रिटेन के हाई स्ट्रीट बैंक स्टैण्डर्ड ने अपनी 95 शाखाओं को बंद करने का फैसला किया है। फैसले से बैंक के कई ग्राहकों को असुविधा हो सकती है, जबकि 750 कर्मचारियों की नौकरियों खत्म होगी। इसके अलावा, बैंक ने कुछ शाखाओं के कामकाज के घंटे भी घटाने का निर्णय लिया है। इस बदलाव के तहत 18 शाखाओं को काउंटर-फ्री बैंक में बदला जाएगा, जहां कोई कैश काउंटर नहीं होगा। वहीं, 36 शाखाओं के कामकाज के घंटे कम किए जाएंगे। बैंक की कुल शाखाओं की संख्या अब घटकर 290 रह जाएगी, जबकि फिलहाल स्टैण्डर्ड की 444 शाखाएं हैं। इसके अलावा, बैंक 5 वर्क कैफे भी खोलेगा, जहां ग्राहकों को फ्री को-वर्किंग स्पेस उपलब्ध कराया जाएगा।

शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद, सेंसेक्स व निफ्टी में तेजी

एजेंसी

नई दिल्ल। घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार तीसरे दिन तेजड़ियों का बोलबाला रहा। बाजार खुलने के बाद पहले घंटे के कारोबार में कुछ देर के लिए बिकवाली का दबाव जरूर बना लेकिन उसके बाद पूरे दिन लिवाली का जोर बना रहा। बाजार में आई तेजी की वजह से निफ्टी आज 22,900 अंक के स्तर को पार करने में भी सफल रहा। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.20 प्रतिशत और निफ्टी 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान रियल्टी, डिफेंस और पीएसयू सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह मेटल, इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और हेल्थ केयर इंडेक्स भी बढ़त के

निवेशकों ने 1 दिन में की 5.10 लाख करोड़ की कमाई

साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, टेक और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.17 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 404.95 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 399.85 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.10 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,166 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 3,012 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,038 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं, 116 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,640 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,196 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 444 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 171.91 अंक उछल कर 75,473.17 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी ही देर में यह सूचकांक सारी बढ़त गंवा कर 99.78 अंक की कमजोरी के साथ 75,201.48 अंक के स्तर तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर दी, जिससे पहले घंटे के कारोबार में ही इस सूचकांक ने वापस हरे निशान में अपनी जगह बना ली। बाजार में लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 267.12 अंक उछल कर 75,568.38 अंक के स्तर पर पहुंच गया।

होगा बुंदेली शेफ प्रतियोगिता का दूसरा संस्करण 2 अप्रैल से शुरू

भोपाल/लखनऊ। पांच करोड़ से अधिक दर्शकों तक पहुंच और 75 से अधिक सहयोगियों के साथ बुंदेलखंड के नंबर वन डिजिटल न्यूज प्लेटफार्म के रूप में कार्य कर रहे बुंदेलखंड 24गुणा 7 द्वारा आयोजित बुंदेली शेफ प्रतियोगिता का दूसरा संस्करण अपनी सांस्कृतिक महक और व्यंजनों की विरासत के साथ एक बार फिर परंपरा और नवाचार का संगम लेकर आ रहा है। प्रतियोगिता की शुरूआत 2 अप्रैल को होने वाले पहले ऑडिशन राउंड से होगी। पूरी तरह निःशुल्क इस प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले झाँसी में होगा, जबकि ऑडिशन, क्वार्टर फाइनल व सेमीफाइनल राउंड चैनल के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से लाइव आयोजित किए जायेंगे। मूल रूप से बुंदेलखंड से आने वाली महिलाएं देशभर के किसी भी कोने से प्रतियोगिता का हिस्सा बन सकती हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 9340786230 पर व्हाट्सऐप या 7000770156 पर कॉल कर संपर्क कर सकते हैं। इस अनूठी पहल का उद्देश्य बुंदेलखंड की घरेलु महिलाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना है, जिससे वे अपनी पाक-कला को न केवल क्षेत्रीय बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिला सकें। कार्यक्रम की भव्यता को और अधिक बढ़ाते हुए जाने माने फिल्म अभिनेता व राजनेता राजा बुंदेला और सुप्रसिद्ध अभिनेत्री सुष्मिता मुखर्जी जैसी विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति भी देखने को मिलेगी।

हॉकी इंडिया व कोका कोला इंडिया ने की नेशनल वीमेंस हॉकी लीग की मेजबानी

रांची। कोका कोला इंडिया और इसके फाउंडेशन आनंदन के समर्थन से हॉकी इंडिया रांची, झारखंड में 18 मार्च से 28 मार्च, 2025 तक चलने वाले नेशनल वीमेंस हॉकी लीग 2024-25 के अंतिम चरण की मेजबानी कर रही है। अप्रैल-मई, 2024 में पहले चरण के सफल आयोजन के साथ इस लीग ने भारत की शीर्ष महिला हॉकी खिलाड़ियों को सर्वोच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए मंच प्रदान किया है।अपनी तरह की इस पहली घरेलू लीग के माध्यम से उभरती खिलाड़ियों को बड़े नामों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलता है। साथ ही उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का अवसर भी मिलता है। इसमें 14वें हॉकी इंडिया सीनियर वीमेन नेशनल चैंपियनशिप 2024 की शीर्ष 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। भाग ले रही टीमों में हॉकी हरियाणा, हॉकी महाराष्ट्र, हॉकी झारखंड, हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी बंगाल, हॉकी मिजोरम, मणिपुर हॉकी और हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा शामिल हैं इस साझेदारी को लेकर हॉकी इंडिया के प्रेसिडेंट डॉ. दिलीप टर्की ने कहा, ह्यहम नेशनल वीमेंस हॉकी लीग के अंतिम चरण की मेजबानी करते हुए रोमांचित हैं। इस दिशा में अथक सहयोग के लिए हम कोका कोला इंडिया का आभार व्यक्त करते हैं। यह साझेदारी भारत में महिला हॉकी के स्तर को उठाने में अहम है। इससे युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए जरूरी संसाधन एवं अवसर मिल रहे हैं। साथ मिलकर हम महिला हॉकी के लिए नए मानक स्थापित कर रहे हैं और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सफलता का रास्ता तैयार कर रहे हैं।

ब्लू ड्रॅगन देगा अब सनबीम वेंचर्स के साथ असली एशियाई व्यंजनों का स्वाद

मुंबई। दुनिया भर में असली थाई और एशियाई खाने के स्वाद के लिए मशहूर ब्लू ड्रॅगन ब्रांड ने अब सनबीम वेंचर्स के साथ साझेदारी कर भारत में अपने व्यापार का विस्तार किया है। सनबीम वेंचर्स एक प्रमुख फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स यानी तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता उत्पादों के वितरण और विपणन की कंपनी है। २०१९ में भारत में अपनी वितरण प्रणाली शुरू करने के बाद से, ब्लू ड्रॅगन भारतीय ग्राहकों की पसंद के अनुसार अपने उत्पादों में बदलाव कर रहा है। अब कंपनी ने भारत में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है और अधिक ग्राहकों तक पहुंचने व भारत में बढ़ती एशियाई स्वादों की मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ब्लू ड्रॅगन के पास नूडल्स, सॉस, पेस्ट, मिल किट्स और नारियल दूध जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिससे भारतीय ग्राहक अब घर पर ही आसानी से और स्वादिष्ट एशियाई व्यंजन बना सकते हैं। ब्लू ड्रॅगन के बैंकॉक हब के जनरल मैनेजर बवॉर्न पकडीसुसुक ने इस व्यापार और साझेदारी के बारे में जानकारी देते हुए कहा, ह्यह्लब्लू ड्रॅगन ने २०१९ में भारत में अपना व्यापार शुरू किया और इसके बाद मजबूत वितरण प्रणाली विकसित करने और स्थानीय ग्राहकों की पसंद को समझने पर हमारा पूरा ध्यान था। हालांकि, कोविड महामारी के कारण विस्तार की योजना में देरी हुई। अब हमने भारत में अपनी मजबूत नींव बना ली है और अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं। भारतीय बाजार अब उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की ओर बढ़ रहा है। हम इस बढ़ती मांग का लाभ उठाकर बाजार में एक प्रमुख कंपनी बनने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। हमारा लक्ष्य भारतीय ग्राहकों से और मजबूत संबंध बनाना, हमारे उत्पादों की खासियत को साबित करना और व्यापार को आगे बढ़ाना है। हमारे उत्पादों में असली स्वाद, उच्च गुणवत्ता और आसान बनाने की सुविधा का बेहतरीन संतुलन है, जो भारतीय ग्राहकों के लिए एक शानदार विकल्प साबित होगा। हम सर्वोत्तम गुणवत्ता और सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और भारत में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए तैयार हैं।

एसयूवी एक्सयूवी700 का नया एबोनी लिमिटेड एडिशन लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। अपनी पॉपुलर एसयूवी एक्सयूवी700 का महिंद्रा एंड महिंद्रा ने नया एबोनी लिमिटेड एडिशन लॉन्च कर दिया है। नई एसयूवी की शुरूआती कीमत 19.64 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है। एक्सयूवी700 एबोनी लिमिटेड एडिशन को ऑल-ब्लैक थीम में डिजाइन किया गया है। इसमें ब्लैक-ऑन-ब्लैक ग्रिल, ब्लैक्ड-आउट ओआरवीएमएस, ब्रश्ड सिल्वर स्किड प्लेट्स और 18-इंच ब्लैक अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। इंटीरियर में ब्लैक लेदरेट अपहोल्स्ट्री, ब्लैक्ड-आउट ट्रिम्स, डार्क क्रोम एयर वेंट्स और सिल्वर एक्सेंट्स एसयूवी के प्रीमियम लुक को और बढ़ाते हैं। महिंद्रा एक्सयूवी700 भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली तीन-रो एसयूवीएस में से एक है। 2021 में लॉन्च के बाद से अब तक इसकी 2,50,000 से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी हैं। सेफ्टी और परफॉर्मेंस के कारण यह भारतीय बाजार में काफी पसंद की जा रही है। यह टॉप-स्पेक एएक्स7 और एएक्स7 एल वेरिएंट्स में पेट्रोल और डीजल दोनों पावरट्रेन में उपलब्ध होगी।

गूगल क्लाउड बिजनेस को मजबूत देगा स्टार्टअप विज

एजेंसी

मुंबई। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने न्यूयॉर्क की एक बड़ी साइबर सिक्योरिटी स्टार्टअप विज को 32 अरब डॉलर (2.7 लाख करोड़ रुपये) में खरीदने की तैयारी कर ली है। यह गूगल के 26 साल के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी कैश डील है। इसके जरिए कंपनी अपने गूगल क्लाउड बिजनेस को और मजबूत करना चाहती है। फिलहाल सेक्टर में अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट का बोलबाला है। अल्फाबेट का कहना है कि लेनदेन पूरा होने के बाद विज को गूगल क्लाउड का हिस्सा बनाया जाएगा। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा, गूगल हमेशा से साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता देता आया है। आज बिजनेस और सरकारें पहले से ज्यादा सुरक्षित क्लाउड सॉल्यूशंस और मल्टी-क्लाउड ऑप्शंस चाहती हैं। गूगल क्लाउड और विज मिलकर क्लाउड सिक्योरिटी को नए लेवल पर ले जाएंगे। 4 साल पुरानी कंपनी विज रिमोट डेटा सेंटर में स्टोर जानकारी को घुसपैठियों से सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा टूल्स बनाती है। बीते कई महीनों से विज पर गूगल की नजरें टिकी हुई थीं। पिछले साल जुलाई में विज ने गूगल की तरफ से रखे गए 23 अरब डॉलर के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। बताया जाता है कि साइबर सिक्योरिटी कंपनी विज बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। साल 2023 में इसका सालाना रेवेन्यू 50 करोड़ डॉलर था, जो 2025 तक 1 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। साल 2023 में इसने 12 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर निवेश लिया, जो बाद में बढ़कर 16 अरब डॉलर (लगभग 1,380 अरब रुपये) हो गया।

फूड डिलीवरी के मामले में स्विगी की बोल्ट सर्विस ने किया विकास

रांची। भारत के अग्रणी ऑन-डिमांड कन्वीनियंस प्लेटफॉर्म स्विगी ने रांची में अपनी बोल्ट सर्विस (बोल्ट बाय स्विगी) के शानदार विकास के आंकड़े साझा किए। यह क्विक फूड डिलीवरी सर्विस शहर में लोगों के खाने के तरीके को बदल रही है। ऑर्डर्स में मासिक आधार पर 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे रेस्टोरेंट्स को अपना कारोबार बढ़ाने में मदद मिल रही है। बोल्ट बाय स्विगी के माध्यम से 10 मिनट के अंदर फ्रेश फूड की डिलीवरी की जाती है। सुपर-स्मार्ट बैकएंड ऑप्टिमाइजेशन के दम पर यह संभव हुआ है। रांची के 35 प्रतिशत रेस्टोरेंट इस सर्विस से जुड़ चुके हैं। उल्लेखनीय रूप से बोल्ट के ऑर्डर्स में 43 प्रतिशत हिस्सेदारी डिनर की और 27 प्रतिशत हिस्सेदारी लंच की रही।स्विगी में फूड मार्केटप्लेस के चीफ बिजनेस ऑफिसर सिद्धार्थ भाकू ने बोल्ट की सफलता को लेकर अपने विचार साझा करते हुए कहा, ह्यबोल्ट सर्विस वास्तव में सहूलियत को नए सिरे से परिभाषित कर रही है और इस उद्योग में नए मानक स्थापित कर रही है। रांची जैसे शहरों में इसकी तेजी से बढ़ती स्वीकार्यता फूड डिलीवरी के मामले में स्पीड और एफिशिएंसी के लिए बढ़ती मांग को दिखाती है।'माहेश्वरी स्वीट्स के मालिक जय प्रकाश वर्मा ने कहा, मिठाई की दुकान होने के कारण शॉर्ट नोटिस में ऑर्डर को पूरा करना हमारे लिए कभी भी बहुत बड़ी चुनौती नहीं रही है।

रेज पावर इंफ्रा को 2000 करोड़ से अधिक की ईपीसी परियोजनाएं मिलीं

एजेंसी

नई दिल्ली। सौर ऊर्जा समाधान रेज पावर इंफ्रा लिमिटेड ने महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) परियोजनाएं हासिल की हैं। रेज पावर इंफ्रा लिमिटेड ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि कंपनी को महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) परियोजनाएं मिली हैं। इसके अलावा असम और मध्य प्रदेश में कंपनी को 1,600 करोड़ रुपये मूल्य की ईपीसी परियोजनाओं के लिए एल1 बोलीदाता भी घोषित किया गया है, जिसके लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) का इंतजार है। कंपनी के प्रबंध निदेशक केतन मेहता ने कहा, ह्यहमारी हालिया बोली जीत में मिलीं परियोजनाएं अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में हमारी उपस्थिति की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा कि सौर ईपीसी परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में विशेषज्ञता के साथ-साथ रेज पावर इंफ्रा लिमिटेड सौर और हाइब्रिड अक्षय समाधानों की तैनाती में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध है। मेहता ने कहा कि ये नई परियोजनाएं स्वच्छ ऊर्जा समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए रेज पावर इंफ्रा की प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। उल्लेखनीय है कि रेज पावर इंफ्रा लिमिटेड सौर ऊर्जा पार्कों के विकास और कार्यान्वयन के व्यवसाय में है, जो ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए व्यापक, एंड टू एंड सेवाएं प्रदान करता है। इनमें स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आईपीपी) सह-डेवलपर्स, बड़ी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (सीपीएसयू) और कॉर्पोरेट तथा संस्थागत ग्राहकों (सीएंडआई) को इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) सेवाएं प्रदान करना शामिल है, जो भारत में अक्षय ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करता है।

वी ने 5जी सेवाएं शुरू की

रांची/मुंबई। प्रमुख दूरसंचार ऑपरेटर वोडाफोन आइडिया (वी) ने मुंबई में अपनी 5जी सेवाएं शुरू करने की घोषणा की, जो शहर में ग्राहकों को अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इस रोल आउट के साथ,वी प्रतिस्पर्धी मूल्य पर व्यापक कवरेज के साथ मोबाइल अनुभव को बढ़ाने के लिए तैयार है। वी की 5जी सेवाएं शहर में उपलब्ध होंगी, जो इसके प्रतिस्पर्धी स्पेक्ट्रम होल्डिंग और अगली पीढ़ी के बुनियादी ढाँचे में महत्वपूर्ण निवेश द्वारा संचालित हैं। कंपनी बढ़ी हुई क्षमता, बेहतर प्रदर्शन और विश्वसनीयता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि उपयोगकर्ताओं को सबसे अच्छा कनेक्टिविटी अनुभव मिले, वी ने नोकिया के साथ साझेदारी की है, शहर में अपने 5जी रोलआउट में नवीनतम पीढ़ी के उपकरणों को एकीकृत किया है, जो न केवल कम खर्चीला है, बल्कि ऊर्जा कुशल भी है, जिससे नेटवर्क अधिक टिकाऊ हो जाता है। इसके अतिरिक्त, वी ने एक एआई-आधारित सन (स्व-संगठित नेटवर्क) प्रणाली भी तैनात की है, जो सर्वोत्तम उपभोक्ता अनुभव सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क प्रदर्शन को लगातार अनुकूलित करती है। वी का 5जी इंट्रोडक्टरी ऑफर वी सब्सक्राइबर्स को सिर्फ 299 रुपये से शुरू होने वाले प्लान पर अनलिमिटेड 5जी डेटा प्रदान करता है, जिससे यह बाजार में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी मूल्य वाला विकल्प बन जाता है। यह सेवा वीडियो और ओटीटी ऐप देखने, ऑनलाइन गेमिंग, वीडियो कॉल और कॉन्फ्रेंसिंग और डाउनलोड जैसी गतिविधियों के लिए उपयोगकर्ता के अनुभव को बढ़ाएगी।

सर्राफा बाजार में सोना चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज की तेजी के कारण सोना 90 हजार रुपये के स्तर को पार करके अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इस तेजी के कारण सोना आज 810 रुपये से लेकर 890 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 90,440 रुपये से लेकर 90,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 82,900 रुपये से लेकर 83,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी भी आज 1,05,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

फिनो पेमेंट्स बैंक बोकारो में पांचवीं शाखा खोली

बोकारो। झारखंड में अपनी उपस्थिति को बढ़ाने की योजनाओं के तहत, फिनो पेमेंट्स बैंक ने आज राज्य में अपनी पांचवीं शाखा खोली, बोकारो स्टील सिटी में यह पहली शाखा है। फिनो बैंक की यह नई शाखा सेक्टर 4 में हर्षवर्धन प्लाजा की पहली मंजिल पर स्थित है, जिसका उद्घाटन अशोक कुमार पांडे (विभागीय प्रमुख बिहार और झारखंड) ने किया, इस अवसर पर राजीव रंजन मिश्रा (क्षेत्रीय प्रमुख झारखंड), शशी कपूर (क्लस्टर प्रमुख) और बैंक के स्टाफ भी उपस्थित थे। फिनो मुख्य रूप से बिना बैंकिंग सेवाओं वाले और कम बैंकिंग सेवाओं वाले क्षेत्रों (अनबॅंक एरिया) में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करता है, जो अपने पड़ोस के व्यापारी बिंदुओं (मर्चंट पॉइंट) जैसे कि किराना दुकानों, मोबाइल दुकानों, दूधविक्री केंद्र और अपने रणनीतिक साझीदार भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) के आउटलेट्स के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं प्रदान करता है। झारखंड में, फिनो बैंक का लगभग ४० हजार व्यापारी बिंदुओं का व्यापक नेटवर्क है, जो राज्यभर में फैला हुआ है और इससे ५.५ लाख से अधिक ग्राहकों को बैंकिंग सेवा आसान तरीके से मिल रही है।

केनस्टार ने लॉन्च किया बीएलडीसी मैक्स : कूलिंग में क्रांति लाने वाला नया समाधान

रांची। भारत में एयर कूलर बाजार के अग्रणी ब्रांड केनस्टार ने अपने नए और उन्नत बीएलडीसी मैक्स कूलिंग समाधान को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह आधुनिक तकनीक से लैस है और इसे केनस्टार के हाल ही में लॉन्च हुए एयर कूलर रेंज में शामिल किया गया है। इस नई तकनीक की खासियत इसकी बेहतरीन फंक्शनलिटी, लंबी उम्र और भारतीय परिवारों के लिए अधिक भरोसेमंद प्रदर्शन है।इस लॉन्च के साथ, केनस्टार एक प्रभावशाली कैंपेन लेकर आ रहा है, जिसमें राजकुमार राव और पत्रलेखा के साथ 'टेकी बॉय' भी शामिल होगा, जो एनिमे से प्रेरित एक कैरेक्टर है और भविष्य की सोच, दक्षता और पर्यावरण-संवेदनशीलता का प्रतीक है। यह कैंपेन पर्यावरण के अनुकूल और किफायती तकनीक के जरिए गर्मियों को अधिक आरामदायक और स्मार्ट बनाने के केनस्टार के संकल्प को दशार्ता है। साथ ही, यह ब्रांड और भारतीय ग्राहकों के बीच मजबूत संबंध को और गहरा करता है।केनस्टार के सीईओ सुनील जैन ने कहा, ह्केनस्टार आज के उपभोक्ताओं की तेजी से बदलती जरूरतों को समझता है। अब ग्राहक सिर्फ कार्यक्षमता ही नहीं, बल्कि बेहतरीन डिजाइन और अत्याधुनिक तकनीक भी चाहते हैं। केनस्टार हमेशा से उच्च गुणवत्ता, आकर्षक डिजाइन और टिकाऊपन का प्रतीक रहा है। हमारे नए बीएलडीसी मैक्स एयर कूलर इस उद्योग और हमारे ग्राहकों के लिए एक बड़ा बदलाव साबित होंगे। केनस्टार की मार्केटिंग हेड, नेहा खुल्लर ने कहा, टेकी बॉय, हमारे ब्रैंड एंबेसडर राजकुमार राव और पत्रलेखा के साथ मिलकर, इस कूलर रेंज को संभावित ग्राहकों के लिए और भी आकर्षक बनाएंगे और हमारे ब्रैंड की नवीन सोच को मजबूती देंगे। टेकी बॉय, अपनी भविष्य की सोच के साथ, एडवांस्ड कूलिंग टेक्नोलॉजी को और अधिक प्रासंगिक बनाता है। यह उपभोक्ताओं को यह समझने में मदद करता है कि केनस्टार के नवीनतम इनोवेशन कैसे उन्हें ठंडक देने के साथ-साथ बिजली की बचत भी कराते हैं।

खास खबर

हूती ने दागे हाईपरसोनिक मिसाइल

गाजा। इजरायल ने गाजा पट्टी पर ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए। इसके चलते ही में यमन के हूती विद्रोहियों की तरफ से भी इजरायल पर मिसाइल का अटैक किया गया। आईडीएफ की तरफ से एक ब्यान जारी कर मिसाइल हमले की पुष्टि की गई। यमन की तरफ से इजरायल पर मिसाइल लॉन्च की गई थी। इजरायल एयरफोर्स ने मिसाइल को सीमा में घुसने से पहले ही इंटरसेप्ट कर उसे नष्ट कर दिया। इस अटैक पर हूती के प्रवक्ता ने कहा कि हूती ने इजरायल के नेवातिम एयरबेस पर हाइपरसोनिक मिसाइल से हमला किया। इसके अलावा आईडीएफ ने अन्य हाई वैल्यू टारगेट को मारने का दावा किया है। जिनमें महमूद मरजूक अहमद अबू-वातफा जो हामास के इंटरनल अफेयर मिनिस्टर और हामास की इंटर्नल सिक्योरिटी फोर्स के इंचार्ज थे। हमास की इंटर्नल सिक्योरिटी फोर्स का प्रमुख बहजत हसन मोहम्मद अबू-सुलतान अहमद और हामास के लॉ एंड जस्टिस मंत्री अमर अब्दुल्लाह अल्हाता शामिल है।

हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। नगराम थाना क्षेत्र में बीते दिनों हुई एक महिला की हत्या का खुलासा पुलिस ने बुधवार को कर दिया है। अवैध संबंध के शक में पति ने साथी संग मिलकर डंडे से पीटकर पत्नी की हत्या कर दी। बाद में पति ने रिश्तेदारों को दुर्घटना के चलते उसकी पत्नी की मौत हो गई है। तहकीकात में मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने महिला के पति और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया कि बाराबंकी में रहने वाले राजाराम ने पुलिस में तहरीर दी। उन्होंने बताया कि उनकी भतीजी की शादी 15 साल पहले नगराम निवासी तिलकराम से हुई थी। शादी के बाद से तिलकराम मालती को प्रताड़ित करता था। 16 मार्च को कुबहरा मेला दिखाने के बहाने ले जाकर उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी है। मामले को गंभीरता से लेकर पुलिस की तीन टीमें जांच में जुट गई। 19 मार्च को पुलिस ने तिलकराम और उसके साथी राजेश को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में इस्तेमाल किया गया डंडा भी बरामद हुआ है।

गुलदार को जिंदा जलाने वालों को मिली सजा

पौड़ी गढ़वाल। पौड़ी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पौड़ी की अदालत ने पिंजरें में पकड़े गए गुलदार को जिंदा जलाने के मामले में पाबौ बलाक के सपलोड़ी के तत्कालीन ग्राम प्रधान सहित पांच ग्रामीणों को 1-1 साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने पांचो दोषियों पर 3500-3500 का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड जमा नहीं किए जाने पर दोषियों को 15 दिन के अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। सहायक अभियोजन अधिकारी वर्षा ने बताया कि सपलोड़ी गांव निवासी सुषमा देवी 15 मई 2022 की शाम को हरियालीसैंण के जंगल में काफल लेने गई थी। घर लौटते समय शाम साढ़े छह बजे गुलदार ने सुषमा पर हमला कर दिया था। जिसमें सुषमा की मौत हो गई थी। घटना के बाद से क्षेत्र के ग्रामीणों में भारी आक्रोश था।

बस में लगी आग, चार लोगों की मौत, 8 झुलसे

▶ शार्टसर्किट और रखरखाव में लापरवाही ने ली जान

एजेंसी

मुंबई। पुणे के हिंजवडी में बुधवार को सुबह एक मिनी बस में अचानक शार्टसर्किट हो जाने से चार लोगों की जान चली गई। इस घटना में घायल छह लोगों का पुणे विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है। प्रथम दृष्टया घटना के पीछे बस के रखरखाव में लापरवाही सामने आ रही है। बस में आग लगने के कारणों की गहन छानबीन हिंजवड़ी पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। पुलिस के अनुसार बुधवार की सुबह पुणे के हिंजेवाड़ी इलाके से गुजर रही एक मिनी बस व्योमा ग्राफिक्स कंपनी के कुल 12 कर्मचारियों को लेकर जा रही थी। अचानक चलती बस में ड्राईवर के नीचे शार्ट सर्किट होने से आग लग गई। इससे बस में आगे के दरवाजे से ड्राईवर सहित कुछ लोग चलती बस से बाहर कूद गए। बस अनियंत्रित होकर आग जाकर डिवाईडर से टकरा गई और पूरी बस आग की चपेट में आ गई। बस में पीछे बैठे लोग पीछे का दरवाजा खोलने का प्रयास करते रहे, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। इससे चार कर्मचारियों की झुलसकर मौत हो गई। इन सबकी पहचान सुभाष भोसले (42),शंकर शिंदे (60),गुरुदास लोकरे(40) और राजू चव्हाण (40) के रुप में की गई है। इस घटना में ड्राईवर सहित छह लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। झुलसे हुए प्रदीप राउत, प्रवीण निकम, चन्द्रकांत मलजीत, संदीप शिंदे , विश्वनाथ झोरी और जनार्दन हंबरिडकर (मिनी बस चालक) का पुणे के रुबी अस्पताल में इलाज हो रहा है। पुलिस उपायुक्त विशाल गायकवाड़ ने बताया कि नियमों के मुताबिक वाहनों का निरीक्षण और रखरखाव करना जरूरी है। बसों का स्वामित्व रखने वाली कंपनी ने उन बसों के लिए कुछ नियम और शर्तें तय की हैं। यह घटना शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की वजह से हुई। आग इतनी भीषण थी कि आगे बैठे लोग बाहर निकलने में सफल हो गए, लेकिन पीछे बैठे चार लोग उतरने में असमर्थ रहे, जिससे उनकी मौत हो गई है। वाहन के रखरखाव और अन्य मामलों की जांच जारी है। परिवहन विभाग के अधिकारियों को बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि फोरेंसिक टीम भी जांच कर रही है कि अचानक यह कैसे शुरू हुआ। हम परिवहन प्रणाली या कंपनी की बसों के संचालकों को इसके बारे में सूचित करेंगे। साथ ही उनसे इस संबंध में सावधानी बरतने और नियमों का सख्ती से पालन करने को भी कहा जाएगा।

एनआईए ने जम्मू में 12 ठिकानों पर की छापेमारी

▶ आंतकियों के मददगारों के खिलाफ एक्शन

एजेंसी

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों की घुसपैठ की घटनाओं पर संज्ञान लेकर बड़ा एक्शन लिया है। बीते दिनों सीमा पार से घुसपैठ की घटनाओं में इजाफा होने के बाद एनआईए ने जम्मू में 12 ठिकानों पर छापेमारी है। अधिकारियों ने बताया है कि जिन लोगों के खिलाफ एक्शन हुआ है, उसमें आतंकवादी समूहों को मदद करने वाले ओवरग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) शामिल हैं, जो भारत में घुसने वाले आतंकवादियों को लॉजिस्टिक्स, सुरक्षित ठिकाने और रास्ता मुहैया करते हैं। इससे पहले एनआईए ने बीते साल 24 अक्टूबर को हुए घुसपैठ से संबंधित घटनाओं में इन लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए थे जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय सीमा और एलओसी के जरिए भारत में लश्कर और जैश से जुड़े सक्रिय आतंकवादियों को मदद पहुंचाई थी। एनआईए के अधिकारी के मुताबिक, जम्मू क्षेत्र के गांवों में रहने वाले ओजीडब्ल्यू और अन्य आतंकी गुटों ने घुसपैठियों की मदद की थी। इन्होंने आतंकवादियों को खाना पीना, शरण और पैसे भी दिए थे। अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध हाइब्रिड आतंकवादी और ओजीडब्ल्यू प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की शाखाओं से जुड़े हुए हैं।

समुद्र में मिले 5000 साल पुरानी नाव के अवशेष

एजेंसी

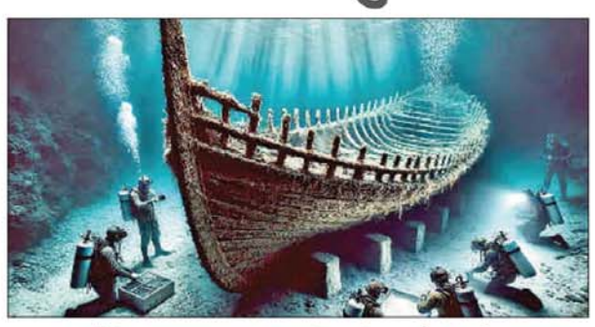

अंकारा। वैज्ञानिकों को समुद्र की गहराइयों में 5000 साल पुरानी नाव के अवशेष मिले हैं। यह अवशेष तुर्की के माउंट अरारत क्षेत्र में मिले, जिसे बाइबल में वर्णित नूह की आर्क से जोड़ा जा रहा है। धार्मिक ग्रंथों में जलप्रलय और नूह की नाव का जिक्र मिलता है, जिसमें उन्होंने कई जीवों को विनाश से बचाने के लिए सुरक्षित रखा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, माउंट अरारत के दक्षिण में करीब 30 किलोमीटर दूर वैज्ञानिकों को समुद्र के अंदर नाव के आकार का एक बड़ा टीला मिला है। इसे डुरुपिनार फॉर्मेशन कहा जाता है। यह टीला असल में एक लकड़ी की नाव का जीवाश्म अवशेष हो सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह संरचना 538 फीट लंबी है और इसमें लोहा, मिट्टी और समुद्री अवशेषों के प्रमाण मिले हैं। शोधकताओं ने इस क्षेत्र से मिट्टी के नमूने लेकर इस्तांबुल टेक्निकल यूनिवर्सिटी में परीक्षण कराया, जिससे पुष्टि हुई कि यह 3500 से 5000 साल पुराना है। बाइबल, इस्लामिक ग्रंथों और यहूदी मान्यताओं में नूह की कहानी का जिक्र मिलता है, जिसमें बताया गया है कि ईश्वर ने नूह को जलप्रलय की चेतावनी दी थी। नूह ने एक विशाल नाव का निर्माण किया, जिसे आर्क कहा जाता है, और उसमें विभिन्न जीवों को रखा ताकि वे जलप्रलय से बच सकें। शोधकर्ता इस बात की पुष्टि करने में जुटे हैं कि यह संरचना वास्तव में नूह की आर्क ही है या कोई अन्य प्राचीन जलयान। अगर यह खोज नूह की कहानी से जुड़ती है, तो यह मानव इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण खोजों में से एक साबित हो सकती है। हालांकि, अभी और गहन शोध की जरूरत है ताकि वैज्ञानिक रूप से इस नाव की वास्तविकता को प्रमाणित किया जा सके। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह खोज उस ऐतिहासिक घटना से जुड़ी हो सकती है। इस शोध के प्रमुख वैज्ञानिक फारुक काया ने बताया कि इस क्षेत्र में प्राचीन समय में इंसानों का बसेरा था और यह क्षेत्र कभी पूरी तरह पानी से घिरा हुआ था। यहां पाए गए अवशेषों में समुद्री जीवों के अंश भी मिले हैं, जो इस संभावना को और मजबूत करते हैं कि यह इलाका किसी बड़े जलप्रलय का गवाह रहा होगा।

नागपुर हिंसक: 51 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

नागपुर। महाराष्ट्र की दूसरी राजधानी नागपुर में हिंसक झड़प के बाद 10 पुलिस थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू जारी है। पुलिस इंस्पेक्टर ने शिकायत दर्ज कराई है और एफआईआर में 51 लोगों के नाम हैं, जिनमें कई नाबालिग भी हैं। आरोपी मुख्य रूप से नागपुर शहर के बताए जा रहे हैं, एफआईआर के मुताबिक प्रदर्शन तब हिंसक हो गया जब भीड़ ने पुलिस अधिकारियों पर पत्थर और पेट्रोल बम फेंकना शुरू किया। कथित तौर पर पुलिस पर कुल्हाड़ियों और लोहे की छड़ों से हमला किया गया। पुलिस द्वारा चेतावनी के बावजूद भीड़ ने हिंसक कार्रवाई जारी रखी, जिससे पुलिस कर्मियों और नागरिकों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया। एफआईआर के मुताबिक नागपुर में हिंसा के दौरान, आरोपियों में से एक ने अंधेरे का फायदा उठाया और ड्यूटी पर मौजूद आरसीपी दस्ते की एक महिला पुलिस अधिकारी की वर्दी उतार दी।

जर्मन शेफर्ड ने बुजुर्ग महिला को नोंच-नोंचकर मार डाला

एजेंसी

कानपुर। विकास नगर में एक पालतू जर्मन शेफर्ड ने अपनी ही बुजुर्ग मालकिन को नोच-नोचकर मार डाला। जिस कुत्ते को वह अपने बच्चे की तरह पाल रही थीं, वही उनकी मौत का कारण बन गया। 80 वर्षीय मोहनी देवी रोज की तरह अपने घर के आंगन में थीं। परिवार के बाकी सदस्य अपने-अपने कमरों में थे। अचानक कुत्ता हिंसक हो उठा और महिला पर झपट पड़ा। पहले तो घरवालों को लगा कि कुत्ता किसी बाहरी व्यक्ति पर भौंक रहा है, लेकिन जब उन्होंने बुजुर्ग महिला की चीख सुनी तो वह बाहर की ओर भागे। तब तक बुजुर्ग महिला का शरीर लहूलुहान हो चुका था।कुत्ते ने महिला के पेट और चेहरे पर कई खतरनाक वार किए। उनकी चीखें सुनकर जब परिवार के सदस्य दौड़े, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जिस कुत्ते ने बुजुर्ग महिला की जान ली, उसका वह बहुत ख्याल रखती थीं। उसने खाना खाया या नहीं, इन सभी बातों का वह हर समय ध्यान रखती थीं। उसे वह अपने बच्चों की तरह रखती थीं। उसी पालतू कुत्ते ने उन्हें इतनी दर्दनाक मौत दे दी। इस हादसे के बाद इलाके में डर का माहौल है।

ट्रंप-पुतिन की फोन पर चर्चा से शांति की उम्मीद कायम

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बातचीत की है। यह बातचीत यूक्रेन में युद्धविराम के लिए अमेरिकी प्रस्ताव के कुछ दिनों बाद हुई है। राष्ट्रपति के सहायक और व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा, यह बातचीत अच्छी रही है। बता दें कि पिछले हफ्ते, सऊदी अरब में विदेश मंत्री मार्को रुबियो के नेतृत्व में हुई बातचीत के बाद यूक्रेनी अधिकारियों ने अमेरिकी प्रस्तावों पर सहमति जताई थी। हालांकि, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को अभी भी संदेह है कि पुतिन शांति के लिए तैयार हैं या नहीं, क्योंकि रूसी सेना अभी भी यूक्रेन को निशाना बना रही है। गौरतलब है कि सोमवार को ट्रंप ने कहा था कि वह तीन साल के युद्ध के दौरान जब्त की गई भूमि और बिजली संयंत्रों पर चर्चा करेंगे। व्हाइट हाउस ने इस बातचीत को लेकर आशावाद व्यक्त किया है, जबकि यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की पुतिन की मंशा को लेकर संदेह में हैं। यह कॉल ऐसे समय में हुई है जब यूक्रेनी सैनिकों और टैंकों ने कथित तौर पर रूस के बेलगोरोड क्षेत्र में हमला किया है। ट्रंप और पुतिन के बीच यह बातचीत यूक्रेन में शांति स्थापित करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखी जा रही है।

बांदीपोरा राजमार्ग पर आईईडी बरामद

बांदीपोरा। बांदीपोरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सनसेट पॉइंट से आगे मुख्य सड़क पर बुधवार को एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किया गया। आईईडी मिलने के तुरंत बाद बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुला लिया गया है। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि राजमार्ग पर नियमित गश्त के दौरान सुरक्षाबलों ने आईईडी बरामद किया। उन्होंने बताया कि विस्फोटक को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय करने के लिए बम निरोधक दस्ते को तुरंत मौके पर भेजा गया है।

दीक्षांत परेड में शामिल हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री

ग्वालियर । ग्वालियर में आयोजित एनसीसी के ऐतिहासिक दीक्षांत परेड में देश के केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ शामिल हुए। इस दीक्षांत समारोह में कुल 122 महिला कैडेट्स को एएनओ रैंक प्रदान किया गया। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल गुरवीर पाल सिंह, डीजी एनसीसी ब्रिगेडियर जितेंद्र शर्मा कमांडेड एनसीसी गुवाहाटी, विशेष रूप से उपस्थित रहे। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री सेठ ने सभी महिला कैडेट्स, को बधाई दि और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दि। सभी कैडेट्स को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के समक्ष अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा इस समारोह में शामिल होना मेरे लिए भी गौरव की बात है। पीएम श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और प्रेरणा का परिणाम है कि आज बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। यह भविष्य के भारत की बेहतरीन तस्वीर है। इनसे विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूर्ण करने में योगदान का आह्वान किया। आदरणीय पीएम ने राष्ट्र निर्माण में देश के हर वर्ग की भूमिका तय की है। यह सुखद है कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही बेटियां भी अपना सशक्त योगदान दे रही हैं। श्री सेठ ने कहा आप सभी कैडिडेट पास आउट होने के बाद आप सभी युवाओं को आकार देने और उन्हें हमारे महान राष्ट्र का जिम्मेदार नागरिक बनाने की बड़ी जिम्मेदारी आप पर है एनसीसी का मूल मंत्र है। एकता और अनुशासन आप इसे आगे बढ़ते हुए देश के विभिन्न संस्थाओं में एनसीसी के इस मूल मंत्र के साथ बच्चों को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएंगे जो पूरे भारतवर्ष के हर जिले में है। नरेंद्र मोदी का संकल्प महिला सशक्तिकरण का एक आदर्श उदाहरण एनसीसी है यहां 35% से अधिक गर्ल्स कैडर एनसीसी के सभी गतिविधियों में शामिल है। इस प्रशिक्षण में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वालों को रक्षा राज्य मंत्री ने किया सम्मानित। कनिष्ठ स्कंध में एनसीसी महानिदेशक का प्ले ऑफ ऑनर राजस्थान निदेशालय की केयरटेकर ऑफिसर पूजा को दिया गया। ए एन ओ का सर्विसेज पुरस्कार सुनीता हुड्डा को दिया गया। नेतृत्व विशेषता एवं प्रेरणा प्रदर्शन के लिए अंजलि तोमर को पुरस्कृत किया गया। परेड को कमान करने के लिए कमांडेंट का स्वर्ण पदक बियागथीआजम को दिया गया। चैंपियनशिप बैनर अहिल्याबाई कंपनी के प्रवीण को दिया गया।

पुतिन केवल दिखावटी बातें कर रहे : जेलेंस्की

एजेंसी

कीव। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस पर आरोप लगाया है कि रुस ने नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर ताजा हमलों के बाद अमेरिका समर्थित युद्धविराम प्रस्तावों को प्रभावी रूप से अस्वीकार कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ 90 मिनट की बातचीत के दौरान, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन की ऊर्जा सुविधाओं पर हमलों को रोकने पर सहमति व्यक्त की, लेकिन जब तक पश्चिम सभी सैन्य सहायता बंद नहीं कर देता, पूर्ण युद्धविराम नहीं होगा।

यूक्रेन और रूस युद्ध खत्म कराने के लिए ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से फोन पर बात की। वहीं इस बातचीत से पहले यूक्रेन ने रूस की शर्तों को खारिज कर पुतिन पर आशंका जताई है। यूक्रेन का कहना है कि वह सीमा से जुड़ी कोई छूट देने को तैयार नहीं है। दूसरी शर्त है कि वह नाटो के लिए पुतिन की बात नहीं मानेंगे। इसके अलावा रक्षा क्षमता को लेकर पुतिन की कोई सलाह नहीं मानी जाएगी। वाइट हाउस के विशेष दूत ने रूस जाकर पुतिन से शांति समझौते पर चर्चा की थी, जिसमें रूस ने कुछ शर्तें रख दी। उन्हीं शर्तों को नकारते हुए यूक्रेन ने अपनी शर्तें रखी है। ट्रंप ने फोन कॉल से पहले कहा कि वह पुतिन से उस जमीन और बिजली संयंत्रों पर चर्चा करेंगे, जो तीन साल से जारी इस युद्ध के दौरान रूस ने अपने कब्जे में ले ली है। जेलेंस्की को आशंका है कि पुतिन केवल दिखावटी बातें कर रहे हैं, क्योंकि रूसी सेना लगातार यूक्रेन पर हमले कर रही है। जेलेंस्की ने दोहराया कि यूक्रेन अपने कब्जे वाले क्षेत्रों को रूस का हिस्सा मानने के लिए तैयार नहीं है। वहीं ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और रूस अब कुछ संसाधनों के बंटवारे पर बातचीत शुरू कर चुके हैं।

पिछले एक साल में बढ़ी सोने की तस्करी

मुंबई। सोने के आयात शुल्क में वृद्धि तथा भारत में सोने की कीमतों में भारी वृद्धि के मद्देनजर पिछले एक साल में सोने की तस्करी की घटनाएं बड़े पैमाने पर बढ़ी हैं। सोने की तस्करी न केवल सोने के आभूषणों, बिस्कुटों और बार के रूप में की जा रही है, बल्कि सोने के पेस्ट और सोने के पाउडर के रूप में भी की जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि सोने के पेस्ट और सोने के पाउडर को संसाधित करके भारत में बेचा जा रहा है। हाल ही में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रवर्तन निदेशालय ने सोने की तस्करी का पदार्फाश करते हुए 4 अलग-अलग मामले दर्ज कर 10 किलो 923 ग्राम सोना जब्त किया है।

भारतीय रेलवे ने की वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और विकलांग व्यक्तियों के लिए निचली बर्थ आवंटन की विशेष व्यवस्था

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए भारतीय रेलवे की इन पहलों को उजागर किया, जो वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और विकलांग व्यक्तियों के लिए निचली बर्थों की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई हैं। 45 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को, यदि वे बर्थ के बारे में कोई विशेष चयन नहीं करते हैं, तो स्वचालित रूप से निचली बर्थ आवंटित की जाती है, बशर्ते कि उपलब्धता हो। सभी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण कोटा लागू है, जिसमें राजधानी और शताबदी जैसी ट्रेनें भी शामिल हैं। यह सुविधा उस समय भी लागू होती है, चाहे वे छूट का लाभ उठा रहे हों या नहीं। यात्रा के दौरान यदि कोई निचली बर्थ खाली रहती है, तो उन बर्थों को वरिष्ठ नागरिकों, विकलांग व्यक्तियों और गर्भवती महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर आवंटित किया जाता है, जिनको पहले मध्य या ऊपरी बर्थ आवंटित की गई हो। भारतीय रेलवे इन समावेशी उपायों के माध्यम से यात्रियों को एक सहज और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यात्रियों को इन सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि वे सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा कर सकें।

रमजान के बाद सेना बलूच लोगों का करना चाहती है कत्लेआम

▶ पूर्व सैनिक ने खोली पाकिस्तानी सेना की पोल, वीडियो वायरल होते ही हत्या

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान सेना के एक पूर्व सैनिक ने दावा किया है कि पाकिस्तानी सेना रमजान के बाद बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में क्रूर अभियान चलाने की योजना बना रही है, जिसका मकसद पश्तून और बलोच समुदायों का सफाया करना है। उसने बताया कि पाकिस्तान में होने वाले मस्जिद विस्फोट और धार्मिक शख्सियतों की हत्याओं के पीछे पाकिस्तानी सेना और सरकार का हाथ है। इस खुलासे के बाद पूर्व सैनिक की रहस्यमय परिस्थितियों में हत्या कर दी गई थी, लेकिन उसका वीडियो कन्फेशन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

पूर्व सैनिक जो पाकिस्तानी सेना में लंबे समय तक सेवा में रहा, उसने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर अपने अधिकारियों के आदेश पर की गई क्रूरताओं का खुलासा किया। वीडियो में बताया कि उसने अपने अधिकारियों के सीधे आदेश पर 12 निर्दोष लोगों को मार डाला, जो किसी भी अपराध में शामिल नहीं थे। उसने कहा कि वह अपने अधिकारियों का विश्वासपात्र बन गया था। इसके चलते उसका इस्तेमाल इस तरह के कामों में किया जाने लगा, लेकिन धीरे-धीरे उसे अपने ही देश के लोगों को मारने में घृणा होने लगी। पूर्व सैनिक ने अपने कबूलनामे में बताया कि रमजान के बाद पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में बड़े पैमाने पर पश्तून और बलोच समुदायों का नरसंहार करने की योजना बना रही है। उसने कहा कि इसके लिए पहले से ही योजना तैयार है और इसका मकसद इन समुदायों का जातीय सफाया करना है। उसने कहा कि इस प्लान में उसे भी शामिल किया गया, लेकिन उसकी अंतरात्मा ने उससे विद्रोह कर दिया और वह अपनी वर्दी उतारने पर मजबूर हो गया। सोशल मीडिया पर जारी अपने एक वीडियो में पूर्व सैनिक रोता हुआ नजर आ रहा है।

पूर्व सैनिक का यह वीडियो कन्फेशन जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। अज्ञात हमलावरों ने उसकी हत्या कर दी। माना जा रहा है कि उसकी हत्या के पीछे पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसियों का हाथ है, जो नहीं चाहती थी कि उनके कारनामे उजागर हों। पाकिस्तानी प्रशासन ने इस वीडियो को सोशल मीडिया से हटाने की कोशिश की, लेकिन तब तक यह वायरल हो चुका था। देखने वाली बात यह है कि पूर्व सैनिक की हत्या पर न तो किसी अंतरराष्ट्रीय संगठन ने आवाज उठाई है और न मानवाधिकार आयोग ने जांच की मांग की है।

केजरीवाल के शीशमहल का बीजेपी करेगी इस्तेमाल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की बीजेपी सरकार 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगले का इस्तेमाल करेगी, जिसे बीजेपी ने ही शीशमहल नाम दिया है। अरविंद केजरीवाल के कार्यकाल में सीएम आउस रहे इस बंगले को अब स्टेट गेस्ट हाउस के तौर पर इस्तेमाल करने पर विचार किया जा रहा है। केजरीवाल सरकार की ओर से बंगले के रेनोवेशन को लेकर दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान बीजेपी ने आप के खिलाफ प्रचार किया था। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में आने वाले गणमान्य व्यक्तियों के लिए एक स्टेट गेस्ट हाउस की जरूरत पड़ती है। रिपोर्ट में अधिकारी ने कहा कि बाकी राज्यों की तरह शहर में ऐसा कोई गेस्ट हाउस नहीं है। इसी वजह से 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगले को गेस्ट हाउस के तौर पर इस्तेमाल करने पर विचार किया जा रहा है, लेकिन अंतिम फैसले का इंतजार है। फ्लैग स्टाफ रोड सिविल लाइंस इलाके में आता है, जहां राजभवन, दिल्ली विधानसभा और सचिवालय हैं। अधिकारी ने बताया कि 1990 के दशक में 33, शाम नाथ मार्ग पर स्थित एक संपत्ति को स्टेट गेस्ट हाउस बनाने की बात हुई थी लेकिन इस पर सहमति नहीं बन पाई।

हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में करियर बनाना है बेहद आसान

हमारा देश मेहमान नवाजी के लिए जाना जाता है, यहां पर अतिथि को भगवान का दर्जा दिया जाता है। देश के इस प्राचीन परंपरा ने अब शानदार करियर का रूप ले लिया है। हम कहीं घूमने जाएं या फिर होटल व किसी रेस्टोरेंट में, हर जगह हमें हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट के लोग की जरूरत जरूर पड़ जाती है।

आज के समय में कोई भी सेक्टर या इंडस्ट्री इनके बिना कोई काम नहीं करना चाहती है। अंग्रेजी का हॉस्पिटैलिटी शब्द लैटिन के हॉस्पिटलाइटिस से विकसित हुआ है, जो अतिथि और मेजबान के बीच के संबंध को दर्शाता है। एक उद्योग और शिक्षा के रूप में इसकी प्रासंगिकता लगातार बढ़ रही है। कोरोना में बुरी तरह प्रभावित होने के बाद भी हॉस्पिटैलिटी दुनिया में सबसे तेजी से उभरने वाली इंडस्ट्री है। जिसके कारण ही करियर विकल्प के रुप में इस कोर्स की डिमांड तेजी से बढ़ रही है।आज विश्वभर में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है।

इस क्षेत्र में देश के साथ ही विदेश में भी रोजगार के भरपूर अवसर मौजूद हैं लेकिन इसमें सफल भविष्य के निर्माण के लिए कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। अगर आपके अंदर भी ऐसी स्किल्स मौजूद हैं तो यह क्षेत्र आपका बाहें फैलाकर इंतजार कर रहा है। दुनियाभर में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र है। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक इस क्षेत्र में आगे भी तेजी से ग्रोथ देखने को मिलने वाली है। कोविड-19 के बाद इस क्षेत्र में व्यापक रूप से बढ़ोत्तरी देखने को मिली है जिसके चलते अब हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में पेशेवर लोगों की डिमांड के साथ ही देश-विदेश में नौकरी के अवसर तेजी से खुले हैं। अगर आप भी हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रयासरत हैं तो आपके अंदर कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। इन स्किल्स के द्वारा आप इस क्षेत्र में बेहतर भविष्य बना सकते हैं। सोशल मीडिया के इस दौर में ट्रेंड्स लगातार बदलते रहते हैं। आपको इससे भली-भांति परिचित रहना होगा ताकि आप ट्रेंड्स के अनुसार लोगों को उनके मनपसंद व्यंजनों से खुश कर सकें। आजकल लोग खाने को लेकर काफी सजग हो गए हैं तो यह स्किल आपके करियर में चार चांद लगाने का काम करेगा। हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री सबसे ज्यादा करियर ऑप्शन देना वाली इंडस्ट्री है, इसकी लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस फील्ड में करियर ग्रोथ की क्या चांसेस हो सकते हैं। होटल मैनेजमेंट इंडस्ट्री एक ऐसा फील्ड है जिसमे होटल के प्रोडक्ट्स, सर्विसेज या व्यवसाय को सही एवं सुचारू रूप से चलाना होता हैं। इसलिए आपके अंदर कम्युनिकेशन स्किल, मैनेजमेंट स्किल, टीमवर्क के साथ कई लैंग्वेज और इंप्रेसिव पर्सनालिटी होना जरूरी है। हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में कोर्स करने पर घर में ही सिमटे रहने की हमारी झिझक दूर हो जाती है। अपनों से दूर रहने पर निराशा से घिर जाने की दिक्कत से भी हमें छुटकारा मिल जाता है। हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में कोर्स करने के बाद बाहर जाने के अवसर मिलते है जिसके कारण होम सिकनेस दूर होने पर हम अपने करियर को नई दिशा दे सकते हैं। हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में करियर के साथ-साथ सैलरी ग्रोथ की भी संभवना बहुत अधिक है, यहां पर आप बतौर ट्रेनी शुरुआती वेतन 18,000 रुपये से 25,000 रुपये तक पा सकते हैं। यह वेतन पद, काम और अनुभव के आधार पर बढ़ता जाता है। आप भारत में ही नही विदेश में भी नौकरी कर सकते है। जिससे आपकी सैलरी में गुणात्मक इजाफा होता है।

आपके विश्व स्तरीय संपर्क होना

हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में जाने पर आपके संपर्क विश्व-स्तरीय बन जाते हैं। आप जिस जगह पर कार्य करते हैं, वहां पर कई देशों के मेहमान आते हैं। जो आपसे बातचीत करते हैं और आपकी सेवाओं से खुश होकर आपसे कांटेक्ट भी रखते हैं। जब ये अपने देश लौटते हैं या किसी अन्य देश में काम करते हैं तो आपसे संपर्क होने के कारण नौकरी पाने की संभावना आपकी काफी बढ़ जाती है। क्योंकि संपर्क का आपका नेटवर्क दुनियाभर में हो जाता है। हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में आने पर आप दूसरे देश की संस्कृति वहां के खान-पान, परंपराओं, भाषा, बोलियों को जान-पाते हैं। आप यह जान पाते हैं कि संबंधित देश के खान-पान का वहां की संस्कृति और बोली से क्या ताल-मेल है। साथ ही आप अपने देश की संस्कृति और खान-पान, बोली से बाहर से आये लोगों को अवगत कराते हैं। इससे आपके अनुभव में कई गुणा इजाफा होता हैं। भारत के हर क्षेत्र में रिसॉर्ट्स, एयरलाइंस, क्रूज, क्लब, फूड कैफे, रेस्तरां आदि में होटल मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स की बहुत अधिक आवश्यकता होती है। देश के जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण इस इस इंडस्ट्री में ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है तथा इस इंडस्ट्री की सेवाओं का उपयोग दुनिया भर के टूरिस्ट द्वारा किया जाता है।

करियर से जुड़ी कुछ जरूरी बातें

- करियर में बदलाव होते रहते हैं।
- करियर में सफलता के लिए खुद से प्रयास करें।
- करियर के मार्केट में खुद को कीमती समझें।
- अपने टैलेंट और काम पर भरोसा रखें।
- समय-समय पर अपनी योग्यताओं को लगातार विकसित करते रहें।
- करियर में सही मुकाम हासिल करने के लिए खुद के लिए कुछ नियम-कायदे बनाना ज़रूरी है।
- खुद को समझें और अपने फैसले खुद लेने की आदत डालें।
- अगर आप हर चीज़ के लिए दूसरों पर निर्भर रहेंगे तो आगे का रास्ता काफी कठिन हो सकता है।

अच्छी जॉब पाने के लिए जरूरी है ये सॉफ्ट स्किल्स

बॉडी लैंग्वेज

ऐसा कई बार होता है कि लोग कुछ बोलते है और उनका बॉडी लैंग्वेज कुछ और ही बोलता है। ऐसा ही कुछ इंटरव्यू में भी आपके साथ होता है, जब आप इंटरव्यू देने जाते है तो सामने बैठे इंटरव्यू लेने वाले सदस्यों में से एक ऐसा होता है जो आपकी बॉडी लैंग्वेज को ऑब्जर्ब करता है। वह आपके हाव-भाव, बैठने का तरीका, चलने का तरीका और आत्मविश्वास जैसी चीजों पर गौर करता है। आपके बॉडी लैंग्वेज से आपकी परिपक्वता और व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है।

कम्युनिकेशन स्किल्स

आपके करियर और इंटरव्यू की दूसरी सबसे जरूरी बात है कम्यूनिकेशन स्किल। कम्यूनिकेशन भी सॉफ्ट स्किल का ही प्रमुख हिस्सा है। प्रोफेशनल ही नही बल्कि पर्शनल लाइफ में भी आपके पास एक बेहतर संवाद कौशल का होना जरूरी है। सही जगह पर सही भाषा का चुनाव करना बेहद जरूरी है। अगर आपमें एक बेहतर कम्यूनिकेशन स्किल है तो आप अपनी बातों को लोगों के सामने एक बेहतर ढंग से रख सकते है।

आई कॉन्टेक्ट

हमारी आंखे हमारे बारे में बहुत कुछ कहती है इसलिए जब भी आप किसी से बात करें तो उसकी आँखो में आँखे डालकर ही बात करें। इससे न सिर्फ आपके आत्मविश्वास का पता चलता है बल्कि आप सामने वाले को अपनी आँखों से प्रभावित भी करते है। इसलिए सॉफ्ट स्किल में आई कॉन्टेक्ट भी जरूरी है।

ध्यान देकर सुनना

जब भी आप किसी की बातों को ध्यान से सुनते है तो आप उनका ध्यान अपनी ओर खींचते है। लेकिन अगर आप किसी की बात को ध्यान से नही सुन रहे है तो इसका मतलब ये है कि आपमें ये सॉफ्ट स्किल नही है। अगर आप दूसरों की बातों को ध्यान से सुनकर उन्हें जवाब देंगे तो उन्हें अच्छा लगेगा और वो आपसे दुबारा बात करने आएंगे।

मोटिवेटर

जब भी लोग आपसे बात करें तो उनकी सराहना किजिए और एक सकारात्मक नजरिए से उनसे बात किजिए। लोगों को हमेशा उत्साहित करने का प्रयास किजिए जिससे कि आपसे बात करने के बाद उन्हें अच्छा लगे। एक अच्छे लीडर की यही खासियत होती है कि वह अपने साथियों हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे।

डेलिगेशन

दूसरों से अपना काम करवाने को कौशल सभी में नही होता है इसलिए आपको ये सॉफ्ट स्किल भी सीखनी चाहिए। ऑफिस हो या चाहे घर सारे काम आप अकेले नही कर सकते इसलिए आपको अपना काम दूसरों को सौंपना पड़ता है।

पुरुषों में इस घातक कैंसर का खतरा महिलाओं से दोगुना ज्यादा, सालाना सात लाख से अधिक की हो जाती है मौत

कैंसर का खतरा वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ता जा रहा है। सभी उम्र और लिंग के लोगों को कैंसर का शिकार पाया जा रहा है। हालांकि कुछ प्रकार के कैंसर के मामले पुरुषों में अधिक देखे जाते रहे हैं, पेट का कैंसर उनमें से एक है। एक अध्ययन से पता चलता है कि महिलाओं की तुलना में पुरुषों में पेट के कैंसर का खतरा दोगुना से अधिक होता है। इस प्रकार के कैंसर के कारण हर साल लाखों लोगों की मौत भी हो जाती है। पेट के कैंसर को गैस्ट्रिक कैंसर भी कहा जाता है, ये पेट की कोशिकाओं में शुरू होता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि लाइफस्टाइल और आहार से संबंधित गड़बड़ी के कारण आपको भी ये कैंसर हो सकता है, इसलिए कम उम्र से ही कैंसर से बचाव को लेकर निरंतर प्रयास करते रहने की जरूरत हो जाता है। डॉक्टर कहते हैं, समय पर कैंसर के लक्षणों की पहचान और इलाज होने से इसके बढ़ने और जान जाने जैसे खतरों को कम किया जा सकता है। आइए स्टमक कैंसर के बढ़ते जोखिमों और इससे बचाव के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, इस बारे में जानते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि पेट में कैंसर के लक्षण आपको कई प्रकार से प्रभावित करने वाले हो सकते हैं। इसके लक्षण आमतौर पर पेट में होने वाली अन्य समस्याओं से मिलते-जुलते होते हैं, जिनपर गंभीरता से ध्यान देते रहना जरूरी है। पेट में होने वाले कैंसर के कारण आपको निगलने में परेशानी, पेट में दर्द, खाने के बाद पेट फूलने, अक्सर सीने में जलन, अपच-मतली की समस्या होती रहती है।

क्यों होता है पेट में कैंसर?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, खान-पान और लाइफस्टाइल की कई ऐसी आदतें हैं जो आपमें पेट के कैंसर के खतरे को बढ़ा देती हैं। जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को ये कैंसर रहा हो उन्हें विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। इसके अलावा कुछ ऐसी स्थितियां भी हैं जो इस कैंसर का कारण बन सकती हैं।

- ज्यादा नमक वाली चीजों का सेवन करना।
- हेलिकोबैक्टर पाइलोरी नामक रोगाणु के कारण पेट में संक्रमण होना।
- पेट के अंदर सूजन और जलन की समस्या (जिसे गैस्ट्राइटिस कहा जाता है) बने रहना।
- धूम्रपान और शराब के सेवन की आदत।
- पेट में गैर-कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि।
- कुछ प्रकार के आनुवांशिक सिंड्रोम का पारिवारिक इतिहास जैसे लिंच सिंड्रोम, जूविनायल पॉलीपोसिस सिंड्रोम, प्यूज-जेगर्स सिंड्रोम आदि।

पेट में कैंसर की समस्या

कैंसर रोग विशेषज्ञ बताते हैं, पुरुषों और महिलाओं दोनों में पेट के कैंसर का जोखिम होता है, हालांकि इसके मामले पुरुषों में अधिक रिपोर्ट किए जाते रहे हैं। साल 2020 में, पेट के कैंसर से लगभग 7.70 लाख लोगों की मौत हुई। आमतौर पर इस कैंसर को साइलेंट किलर के रूप में जाना जाता है क्योंकि समय पर इसके लक्षणों की पहचान नहीं हो पाती है। पेट में कैंसर के लक्षण पेट की अन्य बीमारियों से मिलते-जुलते होते हैं इसलिए अक्सर लोग इसको लेकर भ्रमित हो जाते हैं। डॉक्टर कहते हैं, समय पर पेट के कैंसर का निदान हो जाए तो इसके कारण होने वाली जटिलताओं और गंभीरता से बचा जा सकता है। पेट के कैंसर के शुरुआती चरण में हमेशा लक्षण नहीं दिखते। कैंसर बढ़ने की स्थिति में इसके कारण होने वाली जटिलताएं अधिक स्पष्ट होने लगती हैं। ये कैंसर जब लिम्फ नोड्स में फैलता है, तो यह गांठ पैदा कर सकता है। वहीं लिवर तक फैलने वाला कैंसर पीलिया जैसे संकेत भी पैदा करता है।

पेट के कैंसर से बचने के लिए क्या करें?

लाइफस्टाइल और आहार में सुधार करके आप इस घातक कैंसर के जोखिमों से बचे रह सकते हैं।

- खूब फल और सब्जियां- हर दिन अपने आहार में फल और सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं। विभिन्न प्रकार के रंगीन फल और सब्जियों का सेवन करें।
- आहार में नमक की मात्रा कम करें।
- यदि आप धूम्रपान करते हैं या शराब पीते हैं तो ये आदत छोड़ दें। धूम्रपान से पेट के कैंसर और कई अन्य प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।
- यदि आपके परिवार में किसी को पेट का कैंसर रहा है, तो इससे बचाव को लेकर अपने डॉक्टर की सलाह ले लें।

'ब्रेन रोट' से लेकर सोशल मीडिया प्रतिबंधों तक, मेंटल हेल्थ को लेकर चर्चा में रहा ये साल

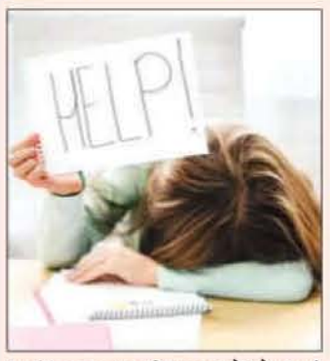

मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं को संपूर्ण सेहत के लिए खतरनाक माना जाता रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य एक दूसरे के पूरक हैं, इसलिए इनमें से एक में भी होने वाली किसी दिक्कत का असर दूसरी सेहत पर पड़ सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि दुनियाभर में स्ट्रेस, एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं के मामले दुनियाभर में बढ़ते जा रहे हैं, विशेषकर कोरोना महामारी के बाद से इसका जोखिम और भी बढ़ गया है। साल 2024 भी मेंटल हेल्थ को लेकर कई प्रकार से चुनौतीपूर्ण रहा, हालांकि इसमें सुधार को लेकर कुछ बड़े फैसले भी लिए गए। हम कुछ ही दिनों में नए साल में प्रवेश करने जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिस तरह से लोगों में लाइफस्टाइल और आहार की समस्याएं देखी जा रही हैं, आने वाले वर्षों में भी मेंटल हेल्थ की समस्याएं लोगों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकती हैं, इसलिए सभी लोगों को पहले से ही सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने लिया बड़ा फैसला

बच्चों और वयस्कों में बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं के लिए मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल को प्रमुख कारण माना जाता रहा है। सोशल मीडिया के बढ़ते मानसिक स्वास्थ्य दुष्प्रभावों को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने देश में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए किसी भी तरह के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। पीएम ने कहा, सोशल मीडिया का इस्तेमाल बच्चों के लिए नुकसानदायक साबित हो रहा है, ये उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। इसके लिए प्रस्तावित कानून अगले सप्ताह संसद में पेश किए जाएंगे। सरकार ने सख्त रवैया अपनाते हुए कहा है कि यदि इन नियमों को तोड़ने की जानकारी मिलती है तो इसके लिए कंपनी जिम्मेदार होगी और उसपर कड़ी कार्यवाई और जुर्माना लगाया जाएगा। एक बार कानून पारित होने के बाद कंपनियों को एक साल का समय दिया जाएगा जिसमें उन्हें तय करना होगा कि नियमों का पालन कैसे किया जा सकता है।

स्ट्रेस और एंग्जाइटी ने लोगों को किया परेशान

स्ट्रेस और एंग्जाइटी यानी तनाव-चिंता मानसिक स्वास्थ्य की सबसे आम समस्याओं में से एक हैं। 31 देशों मे वयस्कों पर किए गए एक सर्वेक्षण में, तनाव को तेजी से बढ़ती गंभीर समस्याओं में से एक पाया गया। प्रतिभागियों से पूछा गया कि उनके देश में सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्या क्या है? इसके जवाब में अधिकतर प्रतिभागियों ने कहा स्ट्रेस तीसरी सबसे आम समस्या है। अमेरिका में, 24न वयस्कों ने एक से 10 के पैमाने पर अपने औसत तनाव को आठ से 10 के बीच आंका। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि स्ट्रेस की समस्या समय के साथ गंभीर मनोरोगों का कारण बन सकती है। अमेरिकन साइकोलॉजी एसोसिशन ने मार्च 2024 की एक रिपोर्ट में बताया कि यूएस में अनुमानित 20 में से एक वयस्क चिंता तथा अवसाद और इसके कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं का शिकार है। इसका मतलब है कि लगभग 5न अमेरिकी लोग अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य की समस्या से पीड़ित है।अवसाद की गंभीर स्थिति आत्महत्या के विचारों और गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों को बढ़ाने वाली हो सकती है।

फ्रीजिंग वायरस से लेकर मंकीपॉक्स और बर्ड फ्लू तक इस साल इन संक्रामक रोगों ने किया खूब परेशान

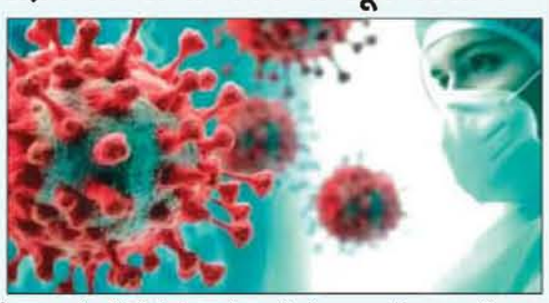

हम सभी धीरे-धीरे साल 2024 के अंत की तरफ बढ़ रहे हैं। ये साल कई मामलों में बहुत खास रहा है, पर सेहत के मामले में देखें तो ये पूरा साल कई प्रकार की चुनौतियां भी पैदा करता रहा। कई तरह की संक्रामक बीमारियों ने लोगों को खूब परेशान किया। साल 2019-20 में दुनियाभर में शुरू हुई कोरोना महामारी का असर इस साल भी देखा गया। वायरस के नए वैरिएंट्स ने साल की शुरुआत में कई देशों में संक्रमण के मामलों को जरूर बढ़ा दिया था हालांकि समय के साथ इसे नियंत्रित कर लिया गया। कोरोना के साथ-साथ कई अन्य संक्रामक बीमारियों ने भी पूर साल स्वास्थ्य क्षेत्र पर अतिरिक्त दबाव बढ़ाए रखा। मंकीपॉक्स संक्रमण को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वैश्विक महामारी तक घोषित किया। अब जब हम इस साल को कुछ ही दिनों में अलविदा बोलकर नए साल 2025 में प्रवेश करने जा रहे हैं तो जरूरी है कि साल 2024 की उन बीमारियों पर एक सरसरी नजर डाल ली जाए जो पूरी दुनिया के लिए समस्या का कारण बनी रहीं। इस बार हुई गलतियों से सबक लेकर हम अगले साल में प्रवेश करें जिससे नए साल में हमारी सेहत पर कोई दिक्कत न आए। साल 2023 में कोरोनावायरस दुनियाभर के लिए चिंता का कारण बना रहा, 2024 के शुरुआती महीनों में भी कोरोना के नए वैरिएंट्स ने परेशान किया। कोरोना के एक नए वैरिएंटको लेकर वैज्ञानिकों ने अलर्ट जारी किया। अध्ययनों में पाया गया कि इस नए वैरिएंट की संक्रामकता दर काफी अधिक थी, लिहाजा डेढ़ महीने के भीतर ही ये वैरिएंट करीब 41 देशों में फैल गया। सिंगापुर-अमेरिका सहित कई देशों में कोरोना के न सिर्फ मामले बढ़े, साथ ही इसके कुछ गंभीर स्वास्थ्य जोखिम भी देखे गए। भारत में भी ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट के मामलों में वृद्धि देखी गई। इंडियन सार्स-सीओवी-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ये नया वैरिएंट भारत के भी अधिकांश हिस्सों में फैल गया है। इससे बचाव के लिए विशेषज्ञों ने नए सिरे से बूस्टर वैक्सीनेशन की भी सलाह दी थी। शोधकर्ताओं ने बताया कि बर्फ के बड़े हिस्से के नीचे जोंबी वायरस मिलने की खबरें हैं।

ये आदतें बिगाड़ देंगी आपकी मेंटल हेल्थ, तुरंत कर लें इनमें सुधार वरना होगा पछतावा

मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखना संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए जरूरी है। हालांकि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण वयस्कों-बुजुर्गों में मेंटल हेल्थ की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सामाजिक कलंक के डर के कारण लोग अपनी परेशानियों को लेकर डॉक्टर से मिलने नहीं जाते जिससे समय पर बीमारी का निदान और उपचार नहीं हो पाता है। मानसिक स्वास्थ्य को अच्छा बनाए रखना हमारे जीवन की गुणवत्ता को सुधारने और बेहतर महसूस करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि कुछ आदतें ऐसी होती हैं जो हमारी मानसिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। सभी लोगों को इस बारे में जानना और बचाव के लिए प्रयास करते रहना जरूरी है। हम क्या खाते हैं, दिनचर्या कैसे है, कब सोते-जागते हैं, इन सभी का असर मेंटल हेल्थ पर पड़ता है। अनियमित और अपर्याप्त नींद से लेकर नकारात्मक सोच, आहार में गड़बड़ी ये सभी आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए दिक्कतें पैदा कर सकती है। इन आदतों को पहचानना और इन्हें बदलने की कोशिश करना मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। सही दिनचर्या और सकारात्मक आदतों को अपनाकर आप अपनी मानसिक स्थिति को ठीक रख सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चों और वयस्कों के दिन का एक बड़ा समय मोबाइल फोन को स्क्रॉल करने और सोशल मीडिया पर बीतता है, जिसका उनके मानसिक स्वास्थ्य पर कई प्रकार से नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इसी संबंध में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने साल 2024 के लिए ब्रेन रोट शब्द को वर्ड ऑफ द ईयर घोषित किया है। ब्रेन रोट शब्द सोशल मीडिया पर अत्यधिक मात्रा में मौजूद दोयम दर्जे वाले कंटेंट के कारण होने वाले मानसिक दुष्प्रभावों को लेकर चिंता को दर्शाता है। नकारात्मक सोच और आत्म-आलोचना का आपकी मेंटल हेल्थ पर कई प्रकार से नकारात्मक असर होता है। बार-बार नकारात्मक विचार करना या खुद को दोषी ठहराना आत्मसम्मान को कम करता है। यह आदत चिंता और अवसाद को बढ़ावा देती है। मैं अच्छा नहीं हू या मैं यह नहीं कर सकता जैसे विचारों से मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ता है। इसलिए जरूरी है कि अपनी सोच को सकारात्मक रखें और अच्छे विचारों का आदान-प्रदान करें।

आपकी किचन में ही मौजूद है जोड़ों-शरीर दर्द की देसी दवा, एक महीने कर लें सेवन तो मिलेंगे कई फायदे

हमारे किचन में कई ऐसे मसाले मौजूद होते हैं, जिनको अध्ययनों में बहुत फायदेमंद पाया गया है। हल्की ऐसा ही एक मसाला है जिससे न सिर्फ भोजन का स्वाद बढ़ता है साथ ही इससे सेहत को भी कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व होता है जो इसे विशेष फायदेमंद बनाता है। हल्दी एक अद्भुत औषधि है जो हमें कई प्रकार की बीमारियों और स्वास्थ्य समस्याओं से बचा सकती है। नियमित हल्दी का सेवन प्रतिरक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने, दर्द को कम करने, कई तरह के संक्रमण से बचाने में फायदेमंद हो सकती है। आहार में हल्दी को जरूर शामिल करें या फिर नियमित रूप से हल्दी वाले दूध का सेवन करें। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, हल्दी के एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण चोट, कटने या जलने पर जल्दी से घाव भरने में मदद करते हैं। हल्दी लगाने से घाव में इन्फेक्शन का खतरा कम होता है और वह जल्दी ठीक होता है। इसके अलावा हल्दी में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं जो शरीर को संक्रामक रोगों से सुरक्षा देते हैं। हल्दी के एंटी-ऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण इम्युनिटी पावर को बढ़ाने में मदद करते हैं। शरीर को फ्री-रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाकर हल्दी इम्यून सिस्टम को मजबूत करती है, जिससे बार-बार बीमारियां नहीं होती। रिसर्च में यह भी पाया गया है कि हल्दी में कैंसर रोधी गुण भी होते हैं, जो कैंसर सेल्स के विकास को रोकने में सहायक होते हैं। यानी आहार में इस एक चीज को शामिल करना आपको कई गंभीर बीमारियों से बचाने में सहायक हो सकती है। हल्दी में प्राकृतिक एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्व होते हैं, जो शरीर के अंदरूनी और बाहरी सूजन को कम करने में सहायक होते हैं। गठिया, जोड़ों के दर्द और मांसपेशियों में सूजन से राहत पाने के लिए हल्दी को उपयोगी माना जाता है। जिन लोगों को अक्सर शरीर में दर्द रहता है, चोट के कारण दर्द रहता है उन्हें नियमित रूप से हल्दी वाले दूध के सेवन से लाभ मिल सकता है। हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं जो त्वचा संबंधी संक्रमणों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। हल्दी का सेवन करने से त्वचा में निखार आता है और इसे लगाने से मुंहासे, दाग-धब्बे और अन्य समस्याओं में भी आराम मिलता है। ये पाचन क्रिया में सुधार लाने के लिए भी फायदेमंद है। इसमें मौजूद करक्यूमिन पित्ताशय से बाइल (पित्त) का स्राव बढ़ाती है जिससे पाचन बेहतर होता है।

नयनतारा ने अपने किरदार को लेकर किया खुलासा

साउथ अभिनेत्री नयनतारा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म टेस्ट को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने अब अपनी नेटफ्लिक्स फिल्म टेस्ट में अपने किरदार कुमुधा को पेश किया है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म का टीजर भी जारी किया। नयनतारा ने कुमुधा का किरदार निभाया है, जो एक दृढ़ महिला है, जो एक साधारण जीवन, प्यार से भरा जीवन, एक छोटा सा घर, एक समर्पित पति और एक बच्चे का सपना देखती है। फिल्म में कुमुधा की यात्रा प्रेम और त्याग की कहानी है, जो शक्ति और त्याग से भरी है। चुनौतियों के बावजूद, वह कभी भी अपने सपनों की जिंदगी जीने से पीछे नहीं हटती। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए नयनतारा ने टीजर के साथ कैप्शन में लिखा, कुमुधा की ताकत उसके सपनों की सादगी में है- एक घर, एक परिवार और स्थायी प्रेम, लेकिन जीवन उसे ऐसे तरीकों से परखता है,जिसकी उसने कभी उम्मीद नहीं की थी और उसे उन चीजों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करता है, जो वास्तव में मायने रखती हैं।

इसके अलावा नयनतारा ने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह दर्शकों को टेस्ट में कुमुधा की यात्रा दिखाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, उनकी यात्रा को पेश करना अत्यंत मार्मिक था और मैं आशा करती हूं कि दर्शक उनकी हर भावना को महसूस करेंगे। टेस्ट प्रेम, तयाग और अटूट आशा की कहानी है। मैं नेटफ्लिक्स पर सभी को इसका अनुभव देने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।

वहीं, जारी हुए टीजर की बात करें तो अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर नयनतारा ने टीजर शेयर किया करते हुए लिखा, इस टीचर के लिए असफलता कोई विकल्प नहीं है। कुमुधा अपनी सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षा का सामना करने वाली है।

शशांक खेतान के निर्देशन में बनी रही फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी वरुण धवन और जान्हवी कपूर ने अदाकारी की है। यह फिल्म इस साल की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को आखिरकार रिलीज की तारीख मिल गई है। होली के कुछ दिनों बाद, निर्माताओं ने रोमांटिक ड्रामा की रिलीज की तारीख का ऐलान किया है। यह फिल्म 12 सितंबर, 2025 को बड़े पर्दे पर आएगी।

इस तारीख को रिलीज होगी

जाह्नवी और वरुण की फिल्म शूटिंग हुई पूरी

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी शशांक खेतान की पिछली फिल्मों जैसे हम्टी शर्मा की दुल्हनिया और इसके सीक्वल बद्रीनाथ की दुल्हनिया की तर्ज पर एक रोमांटिक ड्रामा होगी। इससे पहले, जब टीम ने वरुण धवन और जान्हवी कपूर अभिनीत एक रोमांटिक फिल्म का ऐलान किया था, तो अटकलें लगाई जा रही थीं कि अभिनेत्री आलिया भट्ट की जगह लेंगी। हालांकि, बाद में यह साफ किया गया कि यह फिल्म उस फ्रैंचाइज का हिस्सा नहीं है।

पूरी हो चुकी है फिल्म की शूटिंग

टीम ने पिछले साल सितंबर में उदयपुर में शूटिंग पूरी की थी। रिपोर्ट्स बताती हैं कि निर्माताओं ने पूरी शूटिंग पूरी कर ली है, और फिल्म अभी पोस्ट-प्रोडक्शन में है। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का लेखन और निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। फिल्म में वरुण धवन और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, मनीष पॉल और अक्षय ओबेरॉय भी हैं।

वरुण धवन का काम

काम के मोर्चे पर, वरुण के पास कई काम हैं। वरुण हाल ही में बेबी जॉन में देखा गया था, बॉर्डर 2 में सनी देओल और दिलजीत दोसांझ के साथ सह-कलाकार हैं। वह अपने पिता डेविड धवन की अभी तक बिना शीर्षक वाली मनोरंजक फिल्म की शूटिंग के लिए भी तैयार हैं।

जाह्नवी कपूर का काम

जान्हवी कपूर के पास भी तीन फिल्में हैं। वह जूनियर एनटीआर-स्टारर की अगली कड़ी में एक गांव की लड़की के रूप में वापसी करेंगी। इसके अलावा, वह परम सुंदरी में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। इस बीच, जान्हवी ने राम चरण के साथ अपनी दूसरी तेलुगु फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है।

जॉन की ख्वाहिश अक्षय कुमार संग फिर से करें कॉमेडी फिल्म

हाल ही में एक इंटरव्यू में जॉन अब्राहम ने बताया कि वह अपने दोस्त अक्षय कुमार के साथ एक बार फिर से कॉमेडी फिल्म में काम करना चाहते हैं। इन दोनों कलाकारों ने पहले भी 'गरम मसाला', 'देसी बॉयज' और 'हाउसफुल 2' जैसी कॉमेडी फिल्मों में साथ अभिनय किया है। सभी फिल्मों को दर्शकों ने भी सराहा है।

जॉन को मजेदार कॉमेडी स्क्रिप्ट की तलाश

जॉन अब्राहम कहते हैं, 'मैं कुछ मजेदार काम करना चाहता हूं। मैं दर्शकों को हंसाना चाहता हूं, उनका भरपूर मनोरंजन करना चाहता हूं। जैसे फिल्म गरम मसाला थी, यह कॉमेडी फिल्म मेरे लिए बड़ी खास रही। यही कारण है कि मैं एक खास स्क्रिप्ट की तलाश में हूं, जिसमें मजेदार काम करने को मिले। साथ ही अक्षय कुमार से भी मेरी बातचीत चल रही है। हम लंबे वक्त से फिर से साथ काम करना चाहते हैं। हम एक-दूसरे से काफी इंस्पायर हैं। मैं जल्द ही अक्षय कुमार के साथ फिर से फिल्म करने का बहाना तलाश कर रहा हूं।' जॉन अब्राहम आगे कहते हैं, ' फिल्म 'द डिप्लोमैट' के निर्देशक शिवम नायर को मैंने कॉमेडी फिल्म लिखने को कहा है। वह काफी मजाकिया आदमी हैं। मैंने शिवम को कहा है कि ऐसी फिल्म बनाते हैं, जिसे देखकर दर्शक हंसते पड़े, लोट-पोट हो जाएं। जॉन अब्राहम की हालिया रिलीज 'डिप्लोमैट' को दर्शकों ने पसंद किया है। इस फिल्म में उन्होंने राजनयिक जेपी सिंह की भूमिका निभाई है। फिल्म की कहानी एक भारतीय महिला को पाकिस्तान से बाहर निकालने और बचाने की है।

फिल्म के लिए सीखी पहलवानी के सारे दांव-पेंच सीरीज में काम आए

एक्ट्रेस अदिति पोहनकर ने आमिर खान की फिल्म 'दंगल' के लिए पहले ऑडिशन दिया था, लेकिन इस फिल्म के लिए वो रिजेक्ट हो गई थीं। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान इस बात का खुलासा किया कि 'दंगल' के लिए उन्होंने जो तैयारियां की थीं वह वेब सीरीज आश्रम के समय काम आया। 'दंगल' महावीर सिंह फोगाट और उनकी बेटियों, गीता फोगाट और बबिता फोगाट की कहानी पर आधारित थी। इस फिल्म के लिए ऑडिशन देने से पहले अदिति पोहनकर पहलवानी सिख रही थी। हरियाणवी बोली के साथ-साथ पहलवानी के सारे दांव-पेंच आजमा रही थीं, लेकिन इस फिल्म में काम करने से चूक गई।

अदिति पोहनकर ने बताया- भले ही मैं 'दंगल' के लिए रिजेक्ट हो गई, लेकिन उस समय मैंने जो कुछ भी सीखा था। वह आश्रम में काम आया। इस सीरीज में पम्मी पहलवान के किरदार के लिए फिर मुझे ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। जब भी कोई कुछ सीखता है, तो वह कहीं ना कहीं भविष्य में काम आता है। अदिति पोहनकर ने अपने करियर की शुरुआत 2010 में रिलीज फिल्म 'लव सेक्स और धोखा' से की थी, लेकिन सही मायने में उनकी उन्हें पहचान वेब सीरीज आश्रम से मिली। इस सीरीज का तीसरा पार्ट भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हो चुका है। जिसमें अदिति के परफॉर्मेंस को काफी सराहा जा रहा है।

शूटिंग के दौरान बेरुखा रवैया दिखाने पर इमरान हाशमी पर भड़का पाकिस्तानी अभिनेता

बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आ चुके पाकिस्तानी अभिनेता जावेद शेख ने अभिनेता इमरान हाशमी के साथ अपने काम करने के अनुभवों को साझा किया है। जावेद शेख का कहना है कि इमरान हाशमी के साथ उनके अनुभव अच्छे नहीं रहे और इमरान हाशमी ने फिल्म के सेट पर उनसे अच्छे से व्यवहार नहीं किया।

एंटरटेनमेंट के एक यूट्यूब वीडियो में जावेद शेख ने 2008 में आई इमरान हाशमी की फिल्म 'जन्नत' के दौरान के अपने अनुभव और इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि इमरान हाशमी के साथ उनका शूटिंग करने का अनुभव अच्छा नहीं रहा। जावेद शेख ने कहा, फिल्म के निर्माता महेश भट्ट थे और उन्होंने फिल्म का निर्देशन करने के लिए एक नए निर्देशक कुणाल को शामिल किया था। जब मैंने फिल्म साइन की तो उन्होंने मुझे फिल्म की पूरी कहानी और सब कुछ समझाया था। हालांकि, मुझे तब तक इमरान हाशमी से मिलने का मौका नहीं मिला था।

कार्तिक की लव आज कल की असफलता पर इम्तियाज ने की खुलकर बात

इम्तियाज अली की फिल्म लव आज कल (2009) में सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी नजर आई थी। इस फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद 2020 में इम्तियाज ने इसी नाम से जब एक और फिल्म बनाई तो यह बुरी तरह नाकाम रही। सीक्वल फइल्म में सारा अली खान और कार्तिक आर्यन लीड रोल में थे। हाल ही में इम्तियाज ने इस फिल्म की असफलता पर खुलकर बात की और जिम्मेदारी खुद पर ली।

इम्तियाज ने बताई फिल्म के न चलने की वजह: यूट्यूब चैनल गेम चेंजर्स पर बात करते हुए इम्तियाज ने कहा कि लव आज कल 2 में उन्होंने कई गलतियां कीं।

उन्होंने कहा, मैंने फिल्म में बहुत कुछ डालने की कोशिश की, जिससे यह भारी हो गई। फिल्म की सहजता खो गई। यह इतनी जटिल हो गई कि लोग समझ ही नहीं पाए कि क्या हो रहा है।

कास्टिंग का किया बचाव: फिल्म की नाकामी के बाद सारा अली खान को उनके अभिनय के लिए आलोचना झेलनी पड़ी थी। सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल भी किया गया था।

इस बातचीत में इम्तियाज ने साफ कहा कि असफलता का कारण कास्टिंग नहीं थी। उन्होंने कहा, यह कास्टिंग की वजह से नहीं हुआ। सीक्वल बनाते वक्त एक मजबूत वजह होनी चाहिए। मेरे पास वजह थी, लेकिन मैं उसे ठीक से बता नहीं पाया। फिल्म की पब्लिसिटी में भी यह बात सामने नहीं आई।

क्या अब भविष्य में सीक्वल नहीं बनाएंगे?: जब उनसे पूछा गया कि क्या लव आज कल 2 की नाकामी ने उन्हें सीक्वल बनाने से डरा दिया? इस पर इम्तियाज ने जवाब दिया, हां, कुछ हद तक। मेरे पास लव आज कल 2 के लिए नई कहानी थी फिर भी फिल्म नहीं चली।

तो जब तक बहुत जरूरी न हो मैं सीक्वल नहीं बनाना चाहता। लेकिन कभी न कहो कभी- रॉकस्टार 2 बनाना अच्छा हो सकता है। इम्तियाज ने यह भी साफ किया कि वे भविष्य में जरूरत पड़ने पर सीक्वल पर विचार कर सकते हैं।

द पैराडाइज में खलनायक बनेगा यह दिग्गज अभिनेता

नानी अपने करियर के शिखर पर हैं। उन्होंने लगातार हिट फिल्में दी हैं। वर्तमान में वह एक नहीं, बल्कि दो बहुप्रतीक्षित फिल्मों हिट 3 और द पैराडाइज के लिए तैयार हैं। हाल ही में नानी की एक्शन ड्रामा द पैराडाइज की पहली झलक जारी हुई थी, जिसने काफी चर्चा बटोरी है। इस एक्शन से भरपूर ड्रामा का निर्देशन श्रीकांत ओडेला ने किया है, जिन्होंने पिछली बार नानी के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म दशहरा में काम किया था। अब यह जोड़ी एक बार फिर हिट फिल्म देने की कोशिश कर रही है।

मोहन बाबू होंगे खलनायक

कुछ दिनों पहले द पैराडाइज का टीजर रिलीज किया गया था। वहीं, अब इस फिल्म के एक और कलाकार की एंट्री की खबर सामने आ रही है, जो फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहन बाबू फिल्म में मुख्य खलनायक की भूमिका निभाएंगे।

मोहन बाबू वर्सेज नानी की कहानी

प्रोडक्शन टीम से जुड़े सूत्र का कहना है कि मोहन बाबू मुख्य प्रतिपक्षी की भूमिका निभाएंगे। यह खबर विशेष रूप से खास है, क्योंकि मोहन बाबू ने तेलुगु फिल्मों में अपनी उपस्थिति काफी कम कर दी है, ज्यादातर अपने बेटों द्वारा निर्मित परियोजनाओं में अभिनय कर रहे हैं। द पैराडाइज में खलनायक की भूमिका निभाने का उनका निर्णय फिल्म के लिए सफल साबित होगा। फिल्म में मोहन बाबू और नानी के बीच दमदार सीक्वेंस देखने को मिलेंगे।

दो भागों में रिलीज होगी फिल्म

सिकंदराबाद के बैकग्राउंड पर आधारित द पैराडाइज एक बीते युग की अनोखी दुनिया की कहानी बयां करेगी। यह फिल्म एक हाशिए पर पड़ी जनजाति की कहानी है, जिसके अधिकार छीन लिए गए हैं और जो एक नेता में आशा ढूंढती है। नानी और श्रीकांत ओडेला ने फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाने की योजना बनाई है और इस परियोजना का प्रीमियर दो भागों में हो सकता है।

द राजा साब बड़े पर्दे पर कब देगी दस्तक? प्रभास की फिल्म पर आया नया अपडेट

सलार के बाद दर्शकों को प्रभास की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म का नाम द राजा साहब है। यह एक हॉरर-कॉमेडी ड्रामा है। इसका निर्देशन मशहूर निर्देशक मरुति ने किया है। फिल्म में प्रभास मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और रिद्धि कुमार जैसे सितारे अहम किरदार निभाते नजर आएंगे।

शुरुआत में द राजा साहब को 10 अप्रैल, 2025 को रिलीज करने की योजना थी। अब मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो निर्माता इस फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक द राजा साब को अगस्त 2025 के मध्य में रिलीज करने की तैयारी की जा रही हैं। खास बात यह है कि फिल्म को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा ताकि ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक यह अपनी पहुंच बना सके। जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

संजय दत्त भी हैं फिल्म में

इस फिल्म में बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता संजय दत्त भी एक महत्वपूर्ण किरदार में दिखेंगे। उनकी मौजूदगी की वजह से यह फिल्म और रोमांचक हो गई है। द राजा साहब का निर्माण टीजी विश्व प्रसाद ने पीपल मीडिया फैक्ट्री बैनर के तहत किया है। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार थमन ने तैयार किया है।

इन फिल्मों में नजर आएंगे प्रभास

वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रभास जल्द ही कन्नप्पा में नजर आएंगे। फिल्म में वह विशिष्ट भूमिका में हैं। वहीं, उनके पास प्रशांत नील की फिल्म सलार 2 भी है। इसके अलावा वह संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट में भी काम कर रहे हैं। फिल्म में वह पुलिस अफसर की भूमिका में दिखेंगे।

प्राइवेट स्कूलों को टक्कर देंगे सरकारी स्कूल : संदीप सिंह

मथुरापुर में आधुनिक विद्यालय भवन का लोकार्पण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्राथमिक विद्यालय मथुरापुर, दादरी, गौतमबुद्धनगर के विद्यालय भवन का जीर्णोद्धार तथा नवनिर्मित भवन का लोकार्पण बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह द्वारा किया गया। यह विद्यालय भवन कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के अंतर्गत होंडा इंडिया पावर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के सौजन्य से तैयार किया गया है।

विद्यालय भवन का लोकार्पण करने के बाद बेसिक शिक्षा मंत्री ने छात्रों के द्वारा बनाए गए टीएलएम की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए छात्रों से वार्ता की, प्रश्न पूछे और छात्रों के उत्तरों से प्रसन्न होकर उनको प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात होंडा इंडिया व बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ पूरे विद्यालय भवन का भ्रमण करते हुए प्रत्येक कक्षा-कक्ष में होंडा कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का अवलोकन किया। इस विद्यालय भवन की विशेषताएं बताते हुए प्राथमिक विद्यालय मथुरापुर दादरी के प्रधानाध्यापक गजन भाटी ने विद्यालय की विशेषताएं बताईं तथा होंडा कपनी के

अधिकारियों को छात्रों के लिए एक सुविधासंपन्न विद्यालय देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्राथमिक विद्यालय घोड़ी बछेड़ा के छात्रों ने सरस्वती वंदना, प्राथमिक विद्यालय मथुरापुर के छात्रों ने स्वागत गीत व प्राथमिक विद्यालय नवादा के छात्रों ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग से संबंधित एक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्राथमिक पाठशाला मथुरापुर के आधुनिक व सुविधा संपन्न विद्यालय भवन का लोकार्पण एक विकसित सोच का सार्थक उदाहरण है। इस सरकार के कार्यकाल में ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय को समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी पवित्र कार्य के लिए किसी भी स्थान का पवित्र होना, साफ-सुथरा होना आवश्यक होता है, उसी प्रकार शिक्षा जैसे पवित्र कार्य के लिए सुंदर भवन, समुचित सुविधाओं से युक्त भवन का होना अति आवश्यक है और उसी के अंतर्गत आज मथुरापुर विद्यालय भवन का लोकार्पण किया गया है।

इस अवसर पर सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक दादरी तेजपाल नागर, सदस्य विधान परिषद श्रीचंद शर्मा, जिला अध्यक्ष गौतमबुद्धनगर अभिषेक शर्मा, होंडा इंडिया पावर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के सीएमडी एंड प्रेसिडेंट एंड सीईओ शिगेकी इवामा, एडी बेसिक मेरठ मंडल दिनेश कुमार यादव, उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य डाइट राज सिंह यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार, डायट प्रवक्ता अर्चना पांडेय व धनराज सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी दादरी नरेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, खंड शिक्षा अधिकारी बिसरख चंद्रभूषण प्रसाद व खंड शिक्षा अधिकारी दनकौर प्रवीण अग्रवाल, होंडा इंडिया पावर प्रोडक्ट्स लिमिटेड से रजनीश गुप्ता, सीएचआरओ और वरिष्ठ उपाध्यक्ष, एचआईपीपी देवेंद्र तिवारी, प्रशासन प्रमुख और सीएसआर, एचआईपीपी, जिला समन्वयक निर्माण अविनाश कुमार, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा अरविंद पाठक, जिला समन्वयक मिड डे मील विनय कुमार सिंह, जिला समन्वयक एमआईएस आलोक मिश्रा व संजीव पाठक आदि मौजूद रहे।

इस अवसर पर उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य डायट राज सिंह यादव ने अपने उद्बोधन में जिले की उपलब्धियों के विषय में बताते हुए यह आश्वासन दिया कि भविष्य में भी गौतमबुद्ध नगर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों को जिम्मेदारी पूर्वक किया जाता रहेगा।

नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी में साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी में रीडिंग

रूम के छात्रों के लिए एक विशेष साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में डीआईजी राम बदन सिंह, डीसीपी प्रीति यादव और इंस्पेक्टर समरपाल सिंह ने छात्रों को साइबर अपराध, ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल सावधानियों के बारे में जागरूक किया।

सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग अटैक, मजबूत पासवर्ड के महत्व, सोशल मीडिया सुरक्षा, हेल्पलाइन नंबर, मोबी आर्मर, टफकॉप, एम आर्मर के उपयोग और साइबर क्राइम रिपोर्टिंग जैसे अहम विषयों पर जानकारी दी।

डीआईजी राम बदन सर ने बताया कि साइबर अपराध के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे सतर्क रहना जरूरी है। डीसीपी प्रीति यादव ने छात्रों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने की अपील की। महेश सक्सैना, सुभाष सिंघल, कुशाग्र अवस्थी, श्रीमती गिरजा सिंह, श्रीमती लीका सक्सेना, मुकुल बाजपेयी और अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

चिटहेरा गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के चिटहेरा गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का बड़ा मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि ग्रेटर नोएडा के चिटहेरा गांव में करोड़ों रूपये मूल्य की सरकारी जमीन पर भू-माफियाओं ने अवैध कब्जा कर लिया है। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के चिटहेरा गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का खुलासा सामाजिक कार्यकर्ता श्याम सिंह भाटी एडवोकेट ने किया है। श्याम सिंह भाटी एडवोकेट ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के CEO रवि कुमार एनजी को एक पत्र लिखा है इस पत्र में खुलासा किया गया है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सैकड़ों करोड़ रूपए मूल्य की जमीन पर भू-माफियाओं ने अवैध कब्जा कर लिया है। पत्र में कहा गया हैकि भू-माफिया बाकायदा बड़े-बड़े बोर्ड लगाकर सरकारी जमीन को करोड़ों रूपए मूल्य में बेच रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के CEOरवि कुमार एनजी को लिखे पत्र में श्याम सिंह भाटी एडवोकेट ने बड़े आरोप लगाए हैं। पत्र में लिखा गया है कि ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के चिटहेरा गांव के खसरा नंबर169,170,171,172 की जमीन को ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा पूर्व में किसानों से खरीदी गई थी और किसानों को मुआवजा भी दे दिया गया लेकिन प्राधिकरण के कुछ कर्मचारियों की मिली भगत से इस जमीन पर भूमाफिया द्वारा अवैध तरीके से कब्जा करके इंडस्ट्री के प्लॉट बेचे जा रहे हैं। इस मामले को लेकर ग्रामीणों द्वारा कई बार प्राधिकरण में लिखित रूप से शिकायत भी की गई। लेकिन आज तक प्राधिकरण द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई जिससे इन भूमाफियाओं के हौसले और भी बढ़ गए और इस जमीन पर पक्का निर्माण कार्य करने लगे। ओर सारी जमीन पर कब्जा कर लिया। लेकिन प्राधिकरण के कर्मचारी आज भी गहरी नींद में सोए हुए हैं। पत्र में इस मामले में तुरंत कार्यवाही करने की मांग की गई है।

सभापति के सामने खींचा जिले के विकास का खाका

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सभापति आश्वासन समिति उत्तर प्रदेश विधान सभा डा0 अजय कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रथम उप समिति के निर्धारित 16 बिंदुओं की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर डीएम मनीष कुमार वर्मा ने सभापति एवं सदस्यों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। आयोजित बैठक में सदस्य विधानसभा राजीव गुंबर, मोहम्मद फहीम इरफान, राम खिलाड़ी यादव, केतकी सिंह एवं माननीय सदस्य स्टाफ उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने सभापति को प्रथम उप समिति के निर्धारित 16 बिंदुओं को लेकर की गई प्रगति से अवगत कराया। बैठक में ने सभापति ने बेसिक शिक्षा, आवास एवं शहरी नियोजन, भूतत्व एवं खनिफर्म, कारागार, खाद्य एवं रसद, माध्यमिक शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पर्यावरण, ऊर्जा आदि विभागों की प्रगति के सम्बन्ध जानकारी मांगी। जिस पर डीएम ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालय में बच्चों को मिड-डे मील का वितरण स्वयं सेवी संगठनों के द्वारा किया जाता है तथा भोजन केन्द्रीकृत किचनों में निर्मित कराया जाता है।

जिलाधिकारी ने बताया कि आवास एवं शहरी

नियोजन विभाग द्वारा मान्यवर कांशीराम योजना के अंतर्गत नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा सेक्टर 45 में 500 आवासों तथा ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा सेक्टर जू 500 व सेक्टर पाई में 5 में 500 आवासों का निर्माण पूर्व में ही पूर्ण कराया जा चुका है तथा सभी आवासों का नियम अनुसार पूर्व में ही आवंटन भी किया जा चुका है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदन पत्रों पर गठित समिति के सदस्यों द्वारा जांच कर पत्र एवं अपात्र व्यक्तियों की सूची परियोजना अधिकारी गौतम बुद्ध नगर को उपलब्ध कराई जाती है।

जिलाधिकारी द्वारा नगर विकास विभाग के संबंध में अवगत कराया गया कि नगर पालिका दादरी की सीमान्तर्गत सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के अंतर्गत समस्त 25 वार्डों में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य कराया जा रहा है तथा नगर की सीमा में प्रतिदिन उत्सर्जित होने वाले कूड़े के निस्तारण के लिए 1 एमआरएफ केंद्र संचालित है तथा 2 नए एमआरएफ सेंटर निर्माण अधीन है।

जिलाधिकारी द्वारा पर्यावरण विभाग के संबंध में अवगत कराया गया कि जनपद में नोएडा क्षेत्र के अंतर्गत 08 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट संचालित है। नोएडा क्षेत्र में सेक्टर 123 में स्थापित मात्र 02 एसटीपी का शोधित उत्प्रवाह निस्तारण हिंडन नदी में किया जाता है तथा शेष 06 एसटीपी का शोधित उत्प्रवाह कोंडली ड्रेन के माध्यम से यमुना नदी में निस्तारित किया जाता है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विद्यनाथ शुक्ल, अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, डिप्टी कलेक्टर वेद प्रकाश पांडेय, उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर धर्मवीर सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी हरिओम उपाध्याय, उप निदेशक कृषि राजीव कुमार तथा अन्य संबंधित विभाग अधिकारी उपस्थित रहे।

मतदाता सूची में शुद्धता पर जोर दें राजनैतिक दल : डीएम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा जारी किए गए निर्देशों के अनुपालन में जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया कि वर्तमान में जनपद में अवस्थित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 61 नोएडा 62 दादरी एवं 63 जेवर में कुल 1868 मतदेय स्थल है। उन्होंने कहा कि समस्त राजनीतिक दल प्रत्येक मतदाता स्थल पर नियुक्त किए गए बूथ लेवल एजेंट की सूची संबंधित निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/उप जिलाधिकारी कार्यालय एवं जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध करा दें।उन्होंने कहा कि नियुक्त करने से पुनरीक्षण संबंधी प्रक्रिया में पारदर्शिता आती है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों से कहा कि उनके बीएलए बूथ पर नियुक्त बीएलओ से समन्वय स्थापित कर पात्र व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में पंजीकृत कराने, मतदाता सूची में पंजीकृत मृतक, शिफ्टेड एवं डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम विलोपित करने में सहयोग करें, ताकि मतदाता सूची त्रुटिरहित तैयार हो सके।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान आलेख्य प्रकाशन एवं अंतिम प्रकाशन के समय समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय राजनीतिक दालों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची की हार्ड कॉपी एवं फोटो रहित सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध कराई जाती है तथा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अवधि के दौरान निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्राप्त फॉर्म 6, 7 व 8 के निस्तारण के बाद ई0आर0ओ0 नेट से जनरेट फॉर्म 9, 10, 11, 11ए व 11बी प्रत्येक सप्ताह उपलब्ध कराए जाते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आयोग द्वारा मतदाताओं के रूप में पंजीकृत होने के लिए वर्ष में कुल 04 अहर्ता तिथियां 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर निर्धारित की गयी है। उक्त अर्हता तिथियों में कोई व्यक्ति/नागरिक 18 वर्ष पूरी कर रहा हूं अथवा करने वाला हो, तो वह आवेदन कर सकता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता मतदाता सूची में अपना नाम अर्हता तिथि 01 जनवरी 2025 के आधार पर अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची मतदेय स्थलों पर नियुक्त बीएलओ, संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/उप जिलाधिकारी कार्यालय एवं जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध वेबसाइट https://ceouttarpradesh.nic.in पर voter service में search name electoral roll बटन पर क्लिक करके या भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट https://voters.eci.gov.in पर search your name electoral roll बटन पर क्लिक करके अपना नाम मतदाता सूची में देख सकते हैं।

कुत्तों को गोद लेने व स्वास्थ्य शिविर का अभियान चलाया

नोएडा (चेतना मंच)। पारस टियेरा एपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन तथा

मैजिकवेटस के सहयोग से कुत्तों तथा बिल्ली को गोद लेने एवं स्वास्थ्य अभियान का अभियान चलाया गया।

इस अभियान में लोगों ने कई पिल्लों तथा कुत्तों का रियायती टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच तथा ग्रूमिंग की सुविधाएं दी गई। इस शिविर में भंगेल के डाक्टर लक्ष्मण का सहयोग सराहनीय रहा।

पारस टिएरिया एओए के अध्यक्ष और बोर्ड के सदस्य विक्रांत महाजन और पारस टिएरिया निवासी रितु सिंह, झुमुर चक्रवर्ती और ऋषभ गुप्ता के सहयोग से पल्लवी धर, गौरव दार, संजय मोहपात्रा, सचिन दत्त गौर, डॉ. माधवी और सागर वर्मा द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छूट दरों पर पालतू जानवरों के सामान का एक पेंडोरा बॉक्स भी शामिल था क्योंकि हर श्वान एक नया कॉलर, पट्टा या ट्रीट पाने का हकदार है।